पटना ●रविवार , 02 मार्च 2025 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 वर्षः 6 , अंकः55 www. bordernewsmirror@gmail.com ☎ 9471060219, 9470050309

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...

राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र

RNI N.- BIHBIL/2022/88070

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

विधायक ने कहा माता सीता का... 3 www. bordernewsmirror.com रजनीकांत की कुली में पूजा... 7

केरल एचसी उवाच... | महिला की हर बात को सत्य मान लेना ठीक नहीं

यौन उत्पीड़न केस में पुरुषों को फंसाने का चल रहा ट्रेंड

तिरुअनंतपुरम (एजेंसी)। केरल हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण आदेश में कहा है कि आपराधिक मामलों, खासकर यौन अपराधों में यह मान लेना कि शिकायतकर्ता का हर बयान सत्य होता है, गलत है। कोर्ट ने यह भी कहा कि वर्तमान समय में ऐसे मामलों में निर्दोष लोगों को फंसाने की प्रवृत्ति बढ़ गई है। न्यायमूर्ति पीवी कुन्हिकृष्णन ने एक महिला कर्मचारी द्वारा यौन उत्पीड़न के आरोपों का सामना कर रहे एक व्यक्ति को अग्रिम जमानत देने के दौरान यह बातें कही हैं। कोर्ट ने कहा कि इस मामले में पुलिस ने आरोपी की उस शिकायत की जांच नहीं की जिसमें उसने कहा था कि नौकरी से निकाले जाने के बाद

महिला ने उसे गाली दी और धमकियां दीं। कोर्ट ने कहा, एक आपराधिक मामले की जांच का मतलब केवल शिकायतकर्ता के पक्ष की जांच नहीं है, बल्कि आरोपी के मामले की भी जांच की जानी चाहिए। केवल इसलिए कि शिकायतकर्ता महिला है यह मान लेना कि उसका हर बयान सत्य है, यह सही नहीं है। पुलिस केवल उसके बयान के आधार पर कार्रवाई नहीं कर सकती है। आरोपी के मामले को भी गंभीरता से जांचना चाहिए। कोर्ट ने यह भी कहा कि आजकल यह प्रवृत्ति बन गई है कि महिलाओं द्वारा पुरुषों पर यौन उत्पीड़न के आरोप झूठे होते हुए भी उन्हें फंसा लिया जाता है। यदि पुलिस यह पाती है कि महिला द्वारा लगाए गए आरोप झूठे थे तो वह शिकायतकर्ता के खिलाफ भी कार्रवाई कर सकती है। ऐसा कानून भी कहता है। कोर्ट ने कहा कि अगर किसी व्यक्ति को झूठे आरोपों में फंसाया जाता है तो उसका नाम, समाज में प्रतिष्ठा और स्टेटस को नुकसान हो सकता है। केवल पैसे के मुआवजे से उसे वापस हासिल नहीं किया जा सकता है।

हिंद महासागर क्षेत्र में 'ड्रैगन' पर भारत की नजर

नौसेना प्रमुख ने कहा-भारत अपने दुश्मन को हद में रखना जानता है

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी ने शुक्रवार को कहा है कि चीन पिछले कुछ दशकों में हिंद महासागर क्षेत्र में अपनी उपस्थिति बढ़ा रहा है और चीनी सेना के छह-आठ पोत किसी भी समय वहां मौजूद रहते हैं।

इस दौरान उन्होंने पड़ोसी देश को चेतावनी भी जारी कर दी कि भारत जानता है कि इसकी हद कहां है। नौसेना प्रमुख ने कहा है कि यह आधी से अधिक लड़ाई जीतने के बराबर है। एडमिरल त्रिपाठी नई दिल्ली में 'भारत

2047 युद्ध में आत्मनिर्भर' विषय पर आयोजित एक सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए पहुंचे थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नौसेना प्रमुख ने कहा कि भारत ने चीन को किसी भी ऐसी जगह पर नहीं आने दिया है जहां भारत नहीं चाहता। उन्होंने कहा, ''चीन पिछले कुछ दशकों से हिंद महासागर क्षेत्र में अपनी मौजूदगी बढ़ाता रहा है, न केवल महासागरों में बल्कि जमीन पर भी।

गुड न्यूज | अमित शाह ने की सुरक्षा समीक्षा बैठक, कहा

मणिपुर में 8 मार्च से कहीं भी आ-जा सकेंगे लोग

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर में 21 महीनों बाद स्थिति सामान्य होने के आसार हैं। गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को राज्य के हालात पर समीक्षा बैठक की। इस दौरान उन्होंने सड़कें ब्लॉक करने वालों पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। गृह मंत्री ने 8 मार्च से मणिपुर में सभी सड़कों पर बेरोकटोक आवाजाही सुनिश्चित करने को कहा है। वहीं, अगल-

21 महीने बाद स्थिति सामान्य होने के बने आसार

अलग समुदायों ने 20 फरवरी से अब-तक 300 से ज्यादा हथियार सरेंडर किए हैं। राज्यपाल ने 20 फरवरी को अनुरोध किया था कि हिंसा में लूटे गए हथियार सरेंडर कर दें। मुख्यमंत्री बीरेन सिंह ने 9 फरवरी को इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद मणिपुर में 13 फरवरी को राष्ट्रपति शासन लागू कर दिया गया था। गृह मंत्री ने मणिपुर में सुरक्षा स्थिति का जायजा लिया। राज्य में कानून-व्यवस्था की समग्र स्थिति पर विस्तृत जानकारी दी गई। सूत्रों ने बताया कि बैठक में मई 2023 से पहले जैसी स्थिति बहाल करने और विभिन्न समूहों के पास मौजूद अवैध एवं लूटे गए हथियार पुलिस को सौंपे जाने पर ध्यान केंद्रित किया गया। बैठक में राज्यपाल अजय कुमार भल्ला तथा मणिपुर सरकार, सेना और अर्धसैनिक बलों के शीर्ष अधिकारी शामिल हुए। मई 2023 से इंफाल घाटी में मेइती और कुकी में टकराव चल रहा है।

भारत और इजरायल मिलकर लाएंगे नई कृषि क्रांति

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और इजरायल के बीच कृषि और संबंधित क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के मौकों पर चर्चा हुई है। जिस दिशा में दोनों देश आपसी सहयोग बढ़ाने की बात कर रहे हैं, उससे कृषि में क्रांतिकारी बदलाव आ सकता है। उसी में एक है कृषि में सीवेज के

पानी की रीसाइक्लिंग। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विजन है। यह एक ऐसी तकनीक है जिसमें घरेलू, वाणिज्यिक और औद्योगिक सीवेज वॉटर को ट्रीट करके इसे सिंचाई के लिए सुरक्षित बनाया जाता है। पीएम का विजन है कि गंदे पानी को साफ करके खेती में इस्तेमाल किया जाए। भारत में इजरायल के राजदूत रियूवेन अजार ने कृषि सचिव देवेश चतुर्वेदी से शुक्रवार को मुलाकात की। इस दौरान दोनों देशों के बीच चर्चा हुई।

मोदी बोले- अंग्रेजों के बनाए एक कानून पर खामोश रहे पॉश इलाके के यह लोग

लुटियन जमात और खान मार्केट गैंग से मैं हैरान हूं

शादी में 10 से ज्यादा लोग नाचें तो दूल्हे समेत गिरफ्तारी, ऐसे कानून हमने हटाए

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि अंग्रेजों के बनाए एक कानून पर दिल्ली के पॉश इलाके में रहने वाले लोग क्यों खामोश रहे। अंग्रेजों का बनाया ये कानून हमारी सरकार ने हटाया। पीएम ने ये बातें एनएक्सटी के एक कार्यक्रम में कहीं। मोदी ने कहा कि एक कानून था- ड्रामेटिक परफॉर्मेंस एक्ट। ये कानून अंग्रेजों ने 150 साल पहले बनाया था। अंग्रेज चाहते थे कि थिएटर और ड्रामे का इस्तेमाल उनके खिलाफ न हो। इस कानून में प्रावधान था कि सार्वजनिक जगह पर 10 लोग डांस करते मिल जाएं तो उन्हें गिरफ्तार किया जा सकता है। देश के आजाद होने के 75 साल तक यह कानून चलता रहा। यानी शादी के दौरान 10 लोग डांस कर रहे हों, तो पुलिस उन्हें अरेस्ट कर सकती थी। ये कानून हमारी सरकार ने

हटाया। 70 साल तक हमने कानून झेला। मुझे उस समय की सरकारों के बारे में कुछ नहीं कहना, लेकिन मुझे लुटियंस जमात और खान मार्केट गैंग पर आश्चर्य होता है। ये लोग 75 साल इसे ढोते रहे।

भारत दुनिया का 7वां सबसे बड़ा कॉफी एक्सपोर्टर बना

भारत दुनिया का 7वां सबसे बड़ा कॉफी का एक्सपोर्टर बन गया है। दशकों तक दुनिया भारत को अपना बैक ऑफिस करती है, लेकिन आज भारत न्यू फैक्ट्री ऑफ द वर्ल्ड बन रहा है। भारत सिर्फ वर्कफोर्स नहीं, वर्ल्ड फोर्स है। पीएम मोदी ने कहा कि एआई आने वाले समय में करोड़ों लोगों की जिंदगी बदल सकता है। एआई के जरिए हेल्थ, एजुकेशन और एग्रीकल्चर में जबर्दस्त सुधार लाया जा सकता है।

महाकुंभ ने दंग कर दिया

26 फरवरी को प्रयागराज में एकता का महाकुंभ संपन्न हुआ। दुनिया हैरान है कि आखिर करोड़ों लोग एक अस्थायी शहर में सिर्फ पवित्र स्नान के लिए कैसे आ सकते हैं। भारत के आयोजन और नवाचार कौशल को पूरी दुनिया देख रही है और इसे विस्तार से जानना चाहती है। पीएम ने फ्रांस यात्रा का भी जिक्र किया।

कांग्रेस के शिंदे बन सकते हैं डीके शिवकुमार!

तारीख के साथ बीजेपी का दावा, होने लगी चर्चा

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक में राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। बीजेपी ने बड़ा दावा करते हुए कहा है कि कांग्रेस के भीतर कई नेता 'एकनाथ शिंदे' बन सकते हैं और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार उनमें से एक हो सकते हैं। विपक्ष के नेता आर. अशोक ने यह बयान देकर राज्य की

राजनीति में हलचल मचा दी है। अशोक का यह बयान उस समय आया है जब हाल ही में डीके शिवकुमार ने कोयंबटूर में ईशा फाउंडेशन के महाशिवरात्रि कार्यक्रम में भाग लिया था, जहां केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी मौजूद थे। बीजेपी ने इस मौके को भुनाते हुए कांग्रेस में अंदरूनी कलह की बात उठाई है। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, गुरुवार को आर. अशोक ने कहा, मैं पहले ही कह चुका हूं कि कांग्रेस सरकार में जल्द ही नेतृत्व परिवर्तन होगा।

सरकारी स्कूल में एडमीशन ले सकेंगे रोहिंग्या शरणार्थी बच्चे

सुप्रीम कोर्ट का आदेश, इनकार किए जाने पर हाईकोर्ट जाने का है हक

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि रोहिंग्या बच्चे सरकारी स्कूलों में एडमिशन ले सकते हैं। एडमीशन देने से मना किए जाने पर वे हाईकोर्ट जा सकते हैं। कोर्ट ने यह आदेश यूएनएचआरसी कार्ड रखने वाले शरणार्थी रोहिंग्या बच्चों के लिए दिया है। मामले की सुनवाई जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की बेंच ने रोहिंग्या ह्यूमन राइट्स इनिशिएटिव नाम के एनजीओ की याचिका पर

आदेश दिया है। याचिका में कहा गया था कि रोहिंग्या शरणार्थियों के पास आधार कार्ड न होने की वजह से उन्हें ये सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं। वे शरणार्थी हैं, उनके पास आधार कार्ड नहीं हो सकते। उनके पास यूएनएचआरसी कार्ड हैं। सुप्रीम कोर्ट 12 फरवरी को भी इसी तरह की एक याचिका पर ऐसी ही आदेश दे चुका है। तब कोर्ट ने कहा था कि शिक्षा हासिल करने में किसी भी बच्चे के साथ भेदभाव नहीं किया जाएगा। याचिका में केंद्र और दिल्ली सरकार को शहर में रोहिंग्या शरणार्थियों को सरकारी स्कूलों और अस्पताल की सुविधा दिए जाने का निर्देश देने की मांग की गई थी।

अच्छी पहल | 31 मार्च के बाद लागू होगा नियम

15 साल पुराने वाहनों को अब नहीं मिलेगा पेट्रोल!

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में 15 साल पुराने वाहनों को लेकर दिल्ली सरकार ने बड़ी घोषणा की है। सरकार ने ऐसे वाहनों को अब पेट्रोल पंप पर तेल नहीं देने की बात कही है। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह

प्रदूषण रोकने के लिए दिल्ली सरकार का बड़ा ऐलान

सिरसा ने कहा कि दिल्ली में 31 मार्च के बाद पेट्रोल पंपों पर 15 साल से पुराने वाहनों को फ्यूल नहीं दिया जाएगा। दिल्ली में प्रदूषण पर नकेल कसने के लिए पहले ही 10 साल पुराने डीजल और 15 साल पुराने पेट्रोल वाहनों पर रोक लगी हुई है। अब सरकार ने एंटी स्मॉग गन लगवाने और क्लाउड सीडिंग पर भी अहम फैसला किया है। पर्यावरण मंत्री सिरसा ने कहा कि दिल्ली में कुछ बड़े होटल हैं, कुछ बड़े ऑफिस कॉम्प्लेक्स हैं, दिल्ली एयरपोर्ट है, बड़ी कंस्ट्रक्शन साइट्स हैं। हम इन सबके लिए तुरंत एंटी-स्मॉग गन लगाना अनिवार्य करने जा रहे हैं ताकि प्रदूषण को नियंत्रित किया जा सके। हम दिल्ली की सभी ऊंची इमारतों के लिए स्मॉग गन लगाना अनिवार्य करने जा रहे हैं। हम दिल्ली के सभी होटलों के लिए स्मॉग गन लगाना अनिवार्य करने जा रहे हैं। सिरसा ने कहा कि इसी तरह, हम सभी कमर्शियल कॉम्प्लेक्स के लिए इसे अनिवार्य करने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमने आज फैसला किया है कि क्लाउड सीडिंग के लिए हमें जो भी अनुमति चाहिए, हम लेंगे और तय करेंगे कि क्लाउड सीडिंग के जरिए बारिश कराई जा सके।

दुखद हादसा | 5 की तलाश जारी, 6 राज्यों के 55 लोग फंसे थे

उत्तराखंड एवलांच में बर्फ में दबकर 4 की मौत

चमोली (एजेंसी)। उत्तराखंड के चमोली एवलांच में अब तक 4 लोगों की मौत हो गई है। हादसे के दूसरे दिन शनिवार को 17 मजदूरों को रेस्क्यू किया गया। इससे पहले शुक्रवार को 33 लोगों को बचाया गया था। इनमें गंभीर रूप से घायल 4 लोगों की इलाज के दौरान मौत हो गई। 5 मजदूर अब भी लापता है। हादसा चमोली के माणा गांव के नजदीक 28 फरवरी की सुबह 7.15 बजे हुआ। मोली-बद्रीनाथ हाईवे पर बॉर्डर रोड ऑर्गेनाइजेशन के 55 मजदूर कंटेनर हाउस में रुके थे, तभी बर्फ का पहाड़ खिसक गया।

सभी मजदूर इसकी चपेट में आ गए। रेस्क्यू में सेना के 4 हेलिकॉप्टर के अलावा एनडीआरएफ, बीआरओ, एसडीआरएफ और आईटीबीपी के 200 से ज्यादा जवान लगे हुए हैं। कल खराब मौसम के चलते रेस्क्यू ऑपरेशन में भी काफी परेशानी आई। हेलीकॉप्टर को भी आने की अनुमति नहीं दी गई। इसके बाद आज हालात सुधरने पर माणा में हेलीकॉप्टर से रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया और तीन घायल मजदूरों को हेलीकॉप्टर से जोशीमठ स्थित मिलिट्री अस्पताल पहुंचाया गया। रेस्क्यू टीम अब पांच मजदूरों की तलाश में जुटी हुई है। आर्मी ने इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि कल से जारी रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद 50 मजदूरों को बाहर लाया जा चुका है। हालांकि इनमें से चार जिंदगी की जंग हार चुके हैं। वहीं अन्य पांच मजदूर अब भी लापता है और उनको तलाशने की हर संभव कोशिश की जा रही है। बता दें, 55 मजदूरों में से 33 को सुरक्षित बाहर निकाल लिया है।

बड़ी बेइज्जती | व्हाइट हाउस से निकाले गए जेलेंस्की, नहीं हुई खातिरदारी

ना मिला रोस्टेड चिकन और ग्रीन सैलेड भी रह गया धरा

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका और यूक्रेन के रिश्ते और ज्यादा तल्ख हो चुके हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और जेलेंस्की की एक मुलाकात ने ऐसा नाटकीय मोड़ लिया कि पूरी दुनिया देखती रह गई। व्हाइट हाउस के इतिहास में शायद ऐसा पहली बार हुआ जब दो बड़े नेताओं ने औपचारिक बैठक के दौरान ऐसे आवाज तेज की हो, एक दूसरी की बात को काटा हो। लेकिन क्योंकि इस बार ऐसा हुआ, ऐसे में राष्ट्रपति जेलेंस्की व्हाइट हाउस की शानदार मेहमाननवाजी से वंचित रह गए। बताया जा रहा है कि यूक्रेनी डेलिगेशन के लिए व्हाइट हाउस में शानदार लंच का इंतजाम किया गया था। कई व्यंजन रखे गए थे। लेकिन ट्रंप और जेलेंस्की की बैठक में इतना तनाव देखने को मिला कि मीटिंग खत्म होते ही दोनों नेता अपने रास्ते

चले गए। कुछ रिपोर्ट्स के मुताबिक जेलेंस्की को व्हाइट हाउस से ही जाने को कह दिया गया था। असल में प्रोटोकॉल के तहत तो किसी भी देश के प्रतिनिधिमंडल के लिए व्हाइट हाउस में लंच रखा जाता है। इस बार भी ऐसा ही हुआ था, जानकारी मिली है कि स्प्रिंग ग्रीन सलाद, रोजमेरी रोस्टेड चिकन और क्रीम ब्रूले जैसे व्यंजन रखे गए थे, सब कुछ तैयार था लेकिन किसी ने भी उस खाने को हाथ नहीं लगाया क्योंकि जेलेंस्की और उनकी टीम को लंच का न्योता ही नहीं मिला। इससे उलट ट्रंप इतने नाराज थे, उनके विदेश मंत्री ने जेलेंस्की को संदेश दिया कि उन्हें तुरंत व्हाइट हाउस छोड़ना होगा। बताया जा रहा है कि जेलेंस्की ने बाद में ट्रंप को मनाने की कोशिश की थी, लेकिन बात नहीं बन पाई।

संक्षिप्त समाचार

पत्नी के साथ नाबालिग बेटी को भी देना होगा गुजारा भत्ता, पटना हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

पटना, एजेंसी। शुक्रवार को सुनवाई करते हुए पटना उच्च न्यायालय ने मुस्लिम पत्नी के साथ उसके नाबालिग बच्ची को भी जीवन निर्वाह गुजारा भत्ता देने का आदेश दिया है. कोर्ट ने पत्नी को प्रति माह दो हजार और बच्ची को दो हजार कुल चार हजार रुपये प्रति माह के हिसाब से 1 मार्च 2012 से देने का आदेश दिया है. जस्टिस जितेंद्र कुमार ने हसीना खातून और नाबालिग बच्ची की ओर से दायर अर्जी पर सुनवाई के बाद यह आदेश दिया है. मुस्लिम पत्नी के साथ नाबालिग बच्ची को भी गुजारा भत्ताः पूर्वी चंपारण के परिवार न्यायालय ने पति को 1500 रुपये प्रति माह और मुकदमा खर्च के रूप में पांच हजार रुपये देने का आदेश दिया था लेकिन बच्ची को एक पैसा नहीं मिला. परिवार न्यायालय के आदेश को पत्नी ने हाईकोर्ट में अर्जी दायर कर चुनौती दी. कोर्ट ने मामले पर विस्तार से सुनवाई कर कहा कि पति को पत्नी के साथ साथ बच्ची को भी गुजारा भत्ता देना होगा. पटना हाईकोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले और दंड प्रक्रिया संहिता के धारा 125 का हवाला देते हुए कहा कि नाबालिग बच्ची अपने पिता से गुजारा भत्ता पाने का हकदार है लेकिन निचली अदालत ने बच्ची को गुजारा भत्ता नहीं दिया. पटना उच्च न्यायालय ने कहा कि मुस्लिम पत्नी दंड प्रक्रिया संहिता के धारा 125 के तहत अपने पति से गुजारा भत्ता पाने की हकदार है. अदालत ने पति को पत्नी और बच्ची को कुल चार हजार रुपये प्रति माह देने का आदेश दिया है.

बिहार में पुलिसकर्मियों की छुट्टियां कैंसल, होली के चलते मार्च में इतने दिन नहीं ले सकेंगे छुट्टी

पटना, एजेंसी। बिहार में होली को लेकर राज्य पुलिसकर्मियों की छुट्टी पर 10 से 18 मार्च 2025 तक रोक लगा दी गयी है। शुक्रवार को मिली जानकारी के अनुसार, बिहार पुलिस मुख्यालय ने होली के दौरान होने वाली विधि व्यवस्था की समस्या को देखते हुए पुलिस पदाधिकारियों व कर्मियों के छुट्टी लेने पर यह रोक लगायी है। आगामी 14 और 15 मार्च को होली का त्योहार है ऐसे में पुलिस मुख्यालय ने 10 से 18 मार्च तक सभी पुलिसकर्मियों की छुट्टियों को रद्द कर दिया है। अपर पुलिस मुख्यालय लॉ एंड ऑर्डर संजय कुमार सिंह ने पत्र जारी कर इसकी जानकारी दी है।

मैंने वर्दी छोड़ा,अब चमड़ी ही खाकी है ; पूर्व आईपीएस शिवदीप लांडे ने बताया सेकेंड इनिंग का प्लान

पटना, एजेंसी। सुपर कॉप और सिंघम जैसे नामों से चर्चित पूर्व आईपीएस शिवदीप वामनराव लांडे रन फॉर सेल्फ के बैनर तले अपनी दूसरी पारी की शुरुआत करने जा रहे हैं। पूर्णिया में आईजी के पद पर रहते हुए 19 सितम्बर को उन्होंने सोशल मीडिया पर अपने इस्तीफे की सूचना देकर बिहार के लोगों को चौंका दिया था। उसके बाद पहली बार वे पटना में मीडिया के सामने पत्नी डॉ ममता के साथ आए। बिहार में व्यापक बदलाव की दस सालों की योजना की जानकारी देते हुए पूर्व आईपीएस ने कनेक्ट विद शिवदीप नाम का एप भी लॉन्च किया जिसे बिहार के युवाओं ने तैयार किया है। उन्होंने कहा कि वे किसी की विचारधारा से से प्रभावित नहीं हैं इसलिए किसी के साथ जुड़कर काम करने का फिलहाल कोई प्लान नहीं है। यह भी कहा कि उनकी पूरी चमड़ी ही खाकी हो गई है और वर्दी छोड़ने के बाद भी खाकी उनके दिल में बसता है।पत्रकारों से बात करते हुए शिवदीप लांडे ने बताया कि उनका जन्म भले ही महाराष्ट्र में हुआ लेकिन बिहार ने उन्हें असली पहचान दी। वे बिहार की मिट्टी का कर्ज चुकाना चाहते हैं। मुंगेर से पद पर रहते हुए उन्हें बहुत सारे लोगों के मैसेज आते थे। लोग उनसे बहुत उम्मीद रखते हैं जिनसे पद की मर्यादा के का कारण कनेक्ट नहीं कर पाते थे। कहा कि जो लोग बिहार की दशा और दिशा बदलना चाहते हैं वे एप के माध्यम से उनसे जुड़ें। यह एप प्लेस्टोर पर उपलब्ध है। मकसद बिहार को बदलना है और इसके पीछे कोई स्वार्थ नहीं है। शिवदीप लांडे ने कहा कि आईपीएस का सपना पूरा करने कि लिए काफी संघर्ष करना पड़ा। 18 सालों तक सेवा दी। बिहार से मुझे बड़ी पहचान मिली। सेवा में रहते हुए न्याय देने की लड़ाई लड़ी। वहां अपना डेवलमेंट हो सकता था पर जो काम अंदर से करने का मन था वह पूरा होता नहीं दिख रहा था। इसीलिए आईपीएस नौकरी छोड़ दी। अब बिहार के लोगों के लिए जीना है। आने वाले दस सालों में बिहार की दशा और दिशा को बदलने का प्लान सामने दिख रहा है। इसी से इस माटी का कर्ज चुकेगा। उन्होंने कहा कि बिहार की प्रतिभा और यहां का परिश्रम पूरे देश में छाया हुआ है। फिर में शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार जैसे फ्रंट पर ऐसी स्थिति क्यों है।

बिहार में पहली बार रग्बी का आयोजनः महिला और पुरुष की 16 टीम लेगी हिस्सा

रवीन्द्रण शंकरण ने कहा- खुशी और गर्व की बात

नालंदा, एजेंसी। बिहार पहली बार एशिया रग्बी अंडर 20 सेवेन्स चैंपियनशिप 2025 की मेजबानी करेगा। राजगीर में 9 और 10 अगस्त को होने वाली इस चैंपियनशिप के आयोजन के लिए पाटलिपुत्र खेल परिसर में रग्बी इंडिया और बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुआ। बिहार सरकार के प्रतिनिधि के रूप में बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक सह मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवीन्द्रण शंकरण और रग्बी इंडिया के महासचिव जेरॉल्ड प्रभु ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के निदेशक सह सचिव रविंद्र नाथ चौधरी, रग्बी इंडिया के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर अंकुश अरोड़ा ,बिहार रग्बी एसोसिएशन के सचिव पंकज कुमार ज्योति सहित रग्बी प्रशिक्षक और खिलाड़ी भी उपस्थित रहे ।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सुदृढ़ करने में सफलता : श्री शंकरण ने आगे कहा कि बिहार लगातार अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं की मेजबानी कर रहा है,अभी हाल ही में सेपक टाकरा वर्ल्ड कप की मेजबानी के लिए भी समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुआ था और 20 से 25 मार्च तक यह प्रतियोगिता पटना में हो रही है। अभी महिला कबड्डी विश्व कप और हीरो एशिया कप हॉकी भी राजगीर में होने वाला है। खेलो इंडिया यूथ गेम्स भी मई में यहां होने वाला है। सरकार के निरंतर सहयोग और प्रयास से खेल के क्षेत्र में बिहार नई ऊंचाइयों को छूने के साथ साथ अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी छवि को और सुदृढ़ करने में सफल रहा है। रग्बी इंडिया के महासचिव जेरॉल्ड प्रभु ने कहा कि खेल के क्षेत्र में बिहार की बढती ख्याति और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के खेल आयोजनों को सफलतापूर्वक आयोजन करने की बिहार की क्षमता और कुशलता को देख कर रग्बी इंडिया ने ये टूर्नामेंट बिहार में कराने का निर्णय लिया है और ये हमारे लिए भी बहुत खुशी और

गर्व की बात है। रग्बी में बिहार के खिलाड़ी निरंतर अच्छा कर रहे हैं और इनमें राष्ट्रीय अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर खेलने की पूरी क्षमता और योग्यता है। बिहार में बुनियादी स्तर पर ही प्रतिभा का चयन कर उन्हें प्रशिक्षण के द्वारा राष्ट्रीय अंतर्राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी के रुप में तैयार किया जा रहा है।

चैंपियनशिप में 16 टीम लेगी हिस्सा : यह बहुत ही सराहनीय और दूसरे प्रदेशों के लिए प्रेरणादायक कदम है। आगे उन्होंने बताया कि राजगीर में 9 और 10 अगस्त 2025 को एशिया रग्बी अंडर 20 सेवेन्स चैंपियनशिप 2025 का आयोजन होने वाला है।

रवीन्द्रण शंकरण ने कहा- बिहार के लिए बहुत खुशी और गर्व की बात

रवीन्द्रण शंकरण ने बताया कि बिहार में पहली बार एशिया रग्बी अंडर 20 सेवेन्स चैंपियनशिप का आयोजन होना बिहार के लिए बहुत खुशी और गर्व की बात है और इसकी मेजबानी का अवसर देने के लिए रग्बी इंडिया को बहुत बहुत धन्यावाद है। बिहार के खिलाड़ी भी रग्बी में निरंतर बेहतर प्रदर्शन करते हुए बहुत तेजी से राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना रहे हैं । अभी हाल ही में नेशनल गेम्स में बिहार की महिला टीम रजत पदक जीता है और कुछ दिनों पहले संपन्न हुए स्कूल गेम्स में बिहार की बालिका और बालक दोनों टीमों ने जूनियर,सब जूनियर और सीनियर सभी वर्गों में चैम्पियनशिप जीत कर रग्बी में अपना परचम लहराया है। पिछले तीन वर्षों में बिहार की बॉयज और गर्ल्स रग्बी टीम ने नेशनल स्कूल गेम्स, नेशनल गेम्स और रग्बी सीनियर में कुल 21 स्वर्ण और 5 रजत पदक जीते हैं। यह बिहार में रग्बी के प्रति खिलाडियों की रुचि और जुनून को दिखाता है। राष्ट्रीय स्तर पर रग्बी ने ही खेल के क्षेत्र में बिहार की पहचान सुदृढ़ की है। रग्बी बिहार की प्राथमिकता वाली 14 खेलों में शामिल है। वैसे तो सरकार हर खेल के विकास के लिए प्रतिबद्ध है मगर जिस खेल में मेडल जीतने की संभावना ज्यादा होती है या जिसमें बिहार के खिलाड़ी मेडल जीतते हैं उसपर विशेष ध्यान दिया जाता है क्योंकि मेडल तो मेडल होता है चाहे वो जिस खेल से आए।

130 उपभोक्ताओं का कटा बिजली कनेक्शन, 16 लोगों पर चोरी का मुकदमा दर्ज

नालंदा, एजेंसी। बिहार के नालंदा में बिजली चोरी को रोकने के लिए बिजली विभाग ने कार्रवाई तेज कर दी है. इसी कड़ी में राजगीर अनुमंडलीय क्षेत्र में बिजली चोरी करने वालों को पकड़ने को लेकर बिजली विभाग अभियान चला रहा है. इसके तहत बिजली विभाग ने बाईपास कर बिजली चोरी करने और डिफॉल्टर सहित 16 उपभोक्ताओं पर एफआईआर दर्ज कराई है. 130 उपभोक्ताओं का बिजली कनेक्शन कटाः कनीय अभियंता विद्यासागर ने बताया कि राजस्व संग्रहण को लेकर डोर टू डोर बकाया राशि का संग्रह किया जा रहा है. इसी के तहत चोरी पकड़ी गई है. राजगीर के विद्युत अवर प्रमंडल ने बकाया बिजली बिल नहीं चुकाने वाले 130 उपभोक्ताओं का बिजली कनेक्शन काट दिया. साथ ही मीटर बाइपास कर बिजली चोरी करने वाले 16 उपभोक्ताओं के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई.

कौन-कौन थे टीम में शामिल?: वित्तीय वर्ष के अंत को देखते हुए विभाग ने विशेष टीम बनाकर डोर-टू-डोर राजस्व संग्रहण और छापेमारी अभियान शुरू किया है. इस टीम में टेक्निशियन राकेश कुमार, कनिष्ठ अभियंता अरुण कुमार, मिथिलेश कुमार, आनंदी रविदास, राकेश कुमार उर्फ लालू, अविनाश कुमार, दिनेश कुमार शामिल हैं.

क्या बोले जूनियर इंजीनियर?: इस अभियान का नेतृत्व कर रहे कनिष्ठ अभियंता विद्यासागर ने बताया कि बकाया राशि वसूलने, बिजली चोरी रोकने और डिफॉल्टरों पर कार्रवाई के लिए यह ऑपरेशन चल रहा है. फरवरी में 16 उपभोक्ताओं पर एफआईआर दर्ज की गई, जिनमें स्मार्ट मीटर बाइपास और अवैध बिजली उपयोग के मामले शामिल हैं. उन्होंने कहा कि काटे गए कनेक्शनों की जांच हो रही है, ताकि चोरी का पता लगाया जा सके. उपभोक्ताओं से बकाया एकमुश्त या किश्तों में चुकाने और शीघ्र री-कनेक्शन कराने की अपील की गई है. राजगीर के कनिष्ठ अभियंता विद्यासागर का कहना है कि बकाया राशि वसूलने, बिजली चोरी रोकने और डिफॉल्टरों पर कार्रवाई के लिए यह ऑपरेशन चल रहा है. फरवरी में 16 उपभोक्ताओं पर एफआईआर दर्ज की गई. हमने उपभोक्ताओं से बकाया एकमुश्त या किश्तों में चुकाने और शीघ्र री-कनेक्शन कराने की अपील की गई है. यह अभियान मार्च तक जारी रहेगी.-

नालंदा के स्कूल में एमडीएम के अंडे खाने से 60 बच्चे बीमार, डीईओ ने दिए जांच के आदेश

नालंदा, एजेंसी। बिहार के नालंदा में अंडा खाने से 60 बच्चे बीमार हो गए. सभी बच्चों ने मिड डे मील का अंडा खाया था. उसके बाद उनकी स्थिति खराब होने लगी. बच्चों को उल्टी और दस्त होने लगा. उसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया. बाद में कई बच्चों को अस्पताल से छुट्टी मिली. हालांकि, डीईओ ने मामले की जांच के आदेश दे दिए हैं.

अंडा खाने से 60 बच्चे बीमार: दरअसल, पूरा मामला नालंदा जिले के हरनौत प्रखंड के श्रीचंदपुर प्राथमिक विद्यालय का है. जहां शुक्रवार को मध्याह्न भोजन खाने के 2 घंटा बाद 60 बच्चों की तबीयत बिगड़ गई. बच्चों को पेट दर्द, उल्टी और अस्वस्थता की शिकायत होने लगी. स्कूल प्रशासन ने तुरंत स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों को सूचित किया और बच्चों को त्वरित इलाज के लिए कल्याण बिगहा रेफरल अस्पताल भेजा गया. अस्पताल पहुंचने के बाद डॉ. जितेंद्र कुमार सिंह ने बच्चों का इलाज शुरू किया और बताया कि हालत में सुधार हो रहा है.

इलाज के बाद 25 बच्चों को घर भेजा: स्वास्थ्य विभाग ने इस मामले की गंभीरता को देखते हुए तुरंत कार्रवाई की. जानकारी मिलने के बाद सदर अस्पताल से एंबुलेंस के साथ एक

मेडिकल टीम भेजी गई थी, जिसने स्थिति पर कड़ी नजर रखी. बीपीएम मनीष कुमार ने बताया कि अंडे खाने के कारण कुछ बच्चों की तबीयत बिगड़ी थी, लेकिन 25 बच्चों को घर भेजा जा चुका है और शेष बच्चों को भी जल्द ही अस्पताल से छुट्टी मिल जाएगी. जिला शिक्षा अधिकारी राजकुमार का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और यह देखा जाएगा कि अंडों की गुणवत्ता में कोई गड़बड़ी थी या भोजन तैयार करने में कोई लापरवाही हुई थी. दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी और सुनिश्चित किया जाएगा कि भविष्य में इस प्रकार की घटना की पुनरावृत्ति न हो. -

अभिभावकों में घटना से अफरा-तफरी: इस घटना के बाद स्थानीय नागरिकों और अभिभावकों ने मिड-डे मील योजना की गुणवत्ता पर गंभीर चिंता जताई है. अभिभावकों का कहना है कि बच्चों की सेहत के साथ कोई समझौता नहीं किया जा सकता और स्कूल में मिलने वाले भोजन की गुणवत्ता की सख्त निगरानी होनी चाहिए. उन्होंने प्रशासन से यह भी मांग की है कि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए भोजन की नियमित जांच की जाए.

समस्तीपुर पहुंचे तेज प्रताप यादव :युवाओं से कहा- संगठित होकर रहना जरुरी है, आगे बहुत बड़ी लड़ाई है

समस्तीपुर, एजेंसी। समस्तीपुर जिले के हसनपुर विधानसभा क्षेत्र से राजद विधायक तेज प्रताप यादव शुक्रवार देर शाम मोहिउद्दीन नगर पहुंचे। वह आरजेडी कार्यकर्ता रामहित राय की श्रद्धांजलि सभा में शामिल होने पहुंचे थे। इस मौके पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि राजद में ऐसे सिपाही हैं जो किसी भी पद पर नहीं है लेकिन दल के लिए समर्पित हैं। ऐसे लोगों को दल के मुखिया जानते हैं। युवाओं की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा कि संगठित होने की जरूरत है आगे बहुत बड़ी लड़ाई है। संविधान पर खतरा है। बिहार में जब राजद सरकार में थी तो बेरोजगारों को नौकरियां दी जा रही थी एक परिवार में एक व्यक्ति को नौकरी लग जाए तो कम से कम पांच लोगों का कल्याण होता है। आरजेडी जब से सरकार से अलग हुई बिहार में नौकरियां बंद हो गई। उन्होंने युवाओं से संगठित होकर रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि लोगों को तोड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

बड़ा रेल हादसा टला, रेलवे ट्रैक पर फंसी थी बोलेरो, तभी अचानक आ गई ट्रेन

नालंदा, एजेंसी। बिहार के नालंदा में बड़ा रेल हादसा टल गया है. बख्तियारपुर-राजगीर रेल खंड पर देर शाम एक बड़ा हादसा होते-होते बच गया. बिहारशरीफ रेलवे जंक्शन और पावापुरी स्टेशन हॉल्ट के पास लंगड़ी बिगहा गांव के पास अवैध रूप से बनी क्रॉसिंग को पार करने के दौरान एक बोलेरो वाहन रेलवे ट्रैक पर फंस गई, जिसके तुरंत बाद दानापुर से राजगीर जा रही एक पैसेंजर ट्रेन वहां पहुंच गई.

रेलवे ट्रैक पर फंसी बोलेरो को ट्रेन ने मारी टक्कर: बोलेरो में सवार सभी यात्रियों ने किसी तरह से कूदकर अपनी जान बचाई लेकिन वाहन ट्रेन की चपेट में आ गया और कुछ दूर तक खिंचने के बाद ट्रैक पर फंस गया. इस घटना के कारण रेल यातायात पूरी तरह से बाधित हो गई. घटना की सूचना मिलते ही रेलवे विभाग में हड़कंप मच गया. रेलवे अधिकारी तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया. स्थानीय पुलिस भी मौके पर पहुंची और मामले की छानबीन शुरू कर दी है. हालांकि, बोलेरो में सवार सभी लोग घटनास्थल से फरार हो गए. हमलोग पटना से आ रहे थे. अचानक ट्रेन रुक गई. पता चला है कि कोई वाहन रैलवे ट्रैक पर आ गया था, जिसको ट्रेन ने ठोकर मार दिया. पता नहीं कब तक ट्रेन खुलेगी.- रेल यात्री

क्या बोले स्टेशन मैनेजर?: बिहार शरीफ जंक्शन के प्रबंधक राजीव रंजन ने बताया कि अवैध रूप से ट्रैक पार करने के दौरान इंजन में बोलेरो फंस गई है. मौके पर आलाधिकारी पहुंच गए हैं. जीआरपी और आरपीएफ वाले भी घटनास्थल पर मौजूद हैं. वाराणसी को जाने वाली बुद्ध पूर्णिमा ट्रेन और मालगाड़ी प्रभावित हो रही है.

बिहार शरीफ जंक्शन प्रबंधक राजीव रंजन का कहना है कि यह अवैध क्रॉसिंग स्थानीय लोगों द्वारा बनाई गई है और इसका उपयोग लगातार होता रहा है, जिससे यात्रियों के जीवन को खतरा है. रेलवे विभाग ने कई बार लंगड़ी बिगहा गांव के पास बनी इस अवैध क्रॉसिंग को बंद करने के प्रयास किए हैं. अधिकारियों ने क्रॉसिंग के समीप बने अवैध मार्ग को कई बार काटा है, लेकिन स्थानीय लोग उसे दोबारा भरकर यातायात जारी रखे हैं.

28 साल बाद आया कोर्ट का फैसला, जमीन विवाद में हत्या के मामले में 14 लोगों को उम्रकैद

मधुबनी, एजेंसी। बिहार के मधुबनी के भैरव स्थान थाना क्षेत्र के झौआ गांव में 28 साल पुराने जमीन विवाद में आखिरकार मधुबनी न्यायालय ने अपना फैसला सुना दिया है. इस मामले में 5 अगस्त 1997 को दो पक्षों के बीच विवाद हुआ था, जिसमें हमले की वजह से योगेंद्र यादव की घटनास्थल पर ही मौत हो गई थी. मधुबनी न्यायालय का ऐतिहासिक फैसलाः बता दें कि 28 साल पहले हुए इस विवाद में मृतक के परिजन नागेश्वर यादव गंभीर रूप से घायल हो गए थे और उनका इलाज सदर अस्पताल में चल रहा था. मधुबनी पुलिस ने नागेश्वर यादव के फर्द बयान पर मामला दर्ज किया था, जिसे 6 अगस्त 1997 को पंजीबद्ध किया गया था.

14 आरोपियों को उम्र कैद की सजाः वहीं 28 साल की लंबी लड़ाई के बाद, जिला न्यायाधीश अनामिका टी ने इस मामले में फैसला सुनाया है. उन्होंने कमल यादव को भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 302 के तहत दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा दी है.

इन आरोपियों को मिली सजा: अन्य आरोपियों में चंदर यादव, जमुना यादव, महेश यादव, सुरेश यादव, रघुनी यादव, बिंदेश्वर यादव, ललित यादव, उत्तिम यादव, प्रमोद यादव, सूरत यादव, बौअन यादव, कारी यादव और कुशे यादव को एसटीएन 429/98 के तहत उम्र कैद की सजा सुनाई गई है.

11 आरोपी बरी: मधुबनी न्यायालय ने 11 अन्य आरोपियों को पहले ही रिहा कर दिया था. इनमें सुन्नर यादव, शत्रुघन यादव, इनर यादव, जयनारायण यादव, फिरु यादव, नेपाल यादव, जददू यादव, चुम्मन यादव, शैलेंद्र यादव, योगेंद्र यादव उर्फ पोता और देवेंद्र यादव शामिल थे.

भावुक करने वाली है इस सेवानिवृत्त शिक्षक की विदाई

जब फूट-फूटकर रोए छात्र और अभिभावक

नालंदा, एजेंसी। बिहार के नालंदा जिले के परवलपुर प्रखंड स्थित डुमरी मध्य विद्यालय में शिक्षक की विदाई आपको भावुक कर देगी. शिक्षक आदित्य नारायण शर्मा की विदाई एक अनोखे तरीके से बैंड बाजे के साथ की गई. 14 सालों तक शिक्षण सेवा देने के बाद, विभागीय नियमों के तहत आदित्य नारायण शर्मा अब सेवानिवृत्त हो गए हैं. उनकी विदाई में पूरे गांव ने भाग लिया और इस आयोजन को एक विवाह समारोह जैसा रूप दिया गया. ढोल-नगाड़ों के साथ बारात निकाली गई, जैसे मानो किसी दूल्हन की विदाई हो रही हो.

भावुक हुए छात्र और गांव वाले

इस विदाई समारोह के दौरान स्कूल के छात्र-छात्राएं बेहद भावुक हो गए और कई छात्राएं फूट-फूटकर रोने लगीं. बच्चों और स्थानीय लोगों से आदित्य नारायण शर्मा का गहरा लगाव था, जिसके कारण यह विदाई समारोह सभी के लिए भावुक करने वाला क्षण था. शिक्षक की विदाई के लिए उनकी गाड़ी को दूल्हे की तरह सजाया गया और स्कूल प्रांगण में विदाई गीतों की धुन गूंजने लगीं, जिससे पूरा माहौल गमगीन हो गया.

प्राचार्य ने की शिक्षक की जमकर तारीफ

इस मौके पर एक भोज का भी आयोजन किया गया, जिसमें विद्यालय और ग्रामीणों ने मिलकर हिस्सा लिया. स्कूल के प्राचार्य प्रवीण कुमार ने शिक्षक की कड़ी मेहनत की सराहना की और बताया कि आदित्य नारायण शर्मा बच्चों को शिक्षा देने के साथ-साथ उनके अभिभावकों को भी शिक्षा को लेकर प्रेरित करते थे.

वे ड्यूटी के पक्का थे, समय से स्कूल आने जाने के साथ बच्चों को सभी विषयों की शिक्षा के साथ अन्य चीजों के बारे में भी जानकारी देते थे. इसके साथ ही बच्चों के अभिभावकों को भी बच्चों को शिक्षा की लिए प्रेरित करते थे. जब तक वे यहां थे एक परिवार की तरह घुल मिलकर रहे.- प्रवीण कुमार, प्राचार्य

शिक्षक का भावुक कर देने वाला संबोधन

सेवानिवृत्त शिक्षक आदित्य नारायण शर्मा ने कहा कि वो बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हैं. वहीं यहां के कई बच्चों में डॉक्टर और इंजीनियर बनने की क्षमता है और वे एक दिन देश का नाम रौशन करेंगे. इस दौरान गांव के प्रबुद्ध जनों ने शिक्षक को स्वास्थ्य और खुशहाली की शुभकामनाएं दी. यह विदाई समारोह सुर्खियों में बना हुआ है.

बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना करता हूं

सेवानिवृत्त शिक्षक आदित्य नारायण शर्मा ने कहा कि हमारे कुछ बच्चों में इंजीनियर और डॉक्टर बन देश का नाम रौशन करने की क्षमता भी है और वह करेंगे. मैं हमेशा उनके साथ हूं.

संक्षिप्त समाचार

"एक पेड़ मां के नाम" कार्यक्रम का आयोजन

बीएनएम। मोतिहारी। नेहरू युवा केंद्र पूर्वी चंपारण के तत्वाधान में मौलाना आजाद यूथ क्लब सिसवनिया द्वारा एक दिवसीय कार्यक्रम "एक पेड़ मां के नाम" का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाना था। कार्यक्रम में विभिन्न स्थानों पर वृक्षारोपण किया गया और छात्रों को इस मुहिम से जोड़ा गया।

वृक्षारोपण एवं पेंटिंग प्रतियोगिता– कार्यक्रम के तहत बंजरिया ब्लॉक के परागण क्षेत्र में वृक्षारोपण किया गया। इसके अलावा, अन्य स्कूलों में भी वृक्षारोपण किया गया ताकि बच्चों और स्थानीय लोगों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ सके। इस अवसर पर एक पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया, जिसमें बच्चों ने पर्यावरण संरक्षण, प्रकृति और वृक्षारोपण के महत्व को चित्रित किया। प्रतियोगिता में विभिन्न स्कूलों के छात्रों ने भाग लिया। पेंटिंग प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर जैद आलम, द्वितीय स्थान पर सानिया परवीन और तृतीय स्थान पर साकिब अनवर को सम्मानित किया गया। इन छात्रों ने अपनी कला के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण के संदेश को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया।

कफील अहमद आजाद ने दी बधाई– मौलाना आजाद यूथ क्लब सिसवनिया के अध्यक्ष कफील अहमद आजाद ने प्रतियोगिता में विजेता छात्रों को बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी। उन्होंने इस कार्यक्रम के माध्यम से बच्चों और युवाओं में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जिम्मेदारी और जागरूकता बढ़ाने की बात की। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे भविष्य में भी इस तरह के कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी निभाएं और पर्यावरण को बचाने में अपना योगदान दें।

आकांक्षा सिंह और अन्य का योगदान– कार्यक्रम में बंजरिया के प्रभारी बीडीओ आकांक्षा सिंह भी मौजूद थीं। उन्होंने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से न केवल पर्यावरण की रक्षा होती है, बल्कि समाज में सकारात्मक बदलाव आता है। बीडीओ आकांक्षा सिंह ने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि वे आगे भी इस तरह के समाजसेवी कार्यक्रमों का हिस्सा बनें। इसके अलावा, यूथ क्लब के सदस्य अल्तमस आलम, दानिश, नंदन कुमार, अजीत कुमार, उमेश कुमार और अन्य सदस्य भी इस कार्यक्रम में सक्रिय रूप से शामिल हुए। उन्होंने वृक्षारोपण, पेंटिंग प्रतियोगिता और अन्य आयोजनों में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

समाप्ति और संदेश– कार्यक्रम का समापन सभी उपस्थित लोगों के साथ एक संकल्प के साथ हुआ, जिसमें उन्होंने पर्यावरण की सुरक्षा और वृक्षारोपण के महत्व को समझा और इसे बढ़ावा देने का संकल्प लिया। इस पहल से न केवल बच्चों और युवाओं को पर्यावरण संरक्षण के बारे में जागरूक किया गया, बल्कि समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की दिशा में एक कदम और बढ़ाया गया।

निर्वाचन आयोग के सम्मेलन में मोतिहारी डीएम सौरभ जोरवाल देगे व्याख्यान

बीएनएम। मोतिहारी। भारत निर्वाचन आयोग के द्वारा नई दिल्ली में 04 एवं 05 मार्च को देश के सभी राज्यों के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारियों के आयोजित सम्मेलन में पूर्वी चंपारण जिला के निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल को व्याख्यान एवं निर्वाचन संबंधी नवाचार को साझा करने के लिए नामित किया गया है। लोकसभा निर्वाचन 2024 में सर्वश्रेष्ठ चुनाव प्रबंधन के मामले में राष्ट्रपति से सम्मानित होने के बाद उनके द्वारा लोक सभा चुनाव में किए गए नवाचार,बेहतर आईटी प्रबंधन एवं वित्तीय अनुशासन का पालन करने के अनुभव साझा करने के लिए भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार की अध्यक्षता में देश के सभी राज्यों के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारियों के सम्मेलन में नामित किया गया है। मुख्य सचिव बिहार के अनुमोदन के पश्चात सौरभ जोरवाल को भाग लेने हेतु पत्र मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी बिहार द्वारा जारी किया गया है।इस सूचना के बाद जिला के सभी पदाधिकारी एवं कर्मियों ने हर्ष प्रकट किया है।

भाजपा के पूर्व मंत्री के सनातन ज्ञान पर उठा सवाल

विधायक ने कहा माता सीता का चीरहरण हुआ, तो होने लगे ट्रोल

बीएनएम। सागर सूरज

मोतिहारी । विधानसभा चुनाव नजदीक है, ऐसे मे नेताओ के किसी भी हरक्कत को तूल पकड़ने मे देर नही लगती। अब मोतिहारी विधान सभा से चार बार से भाजपा के विधायक रहे प्रमोद कुमार अपने एक बयान को लेकर सोशल मीडिया पर ट्रोल होने लगे है। बिहार सरकार के पूर्व मंत्री प्रमोद कुमार ने 'बॉर्डर न्यूज मिरर' से बात करते हुये रामायण के एक प्रसंग की चर्चा मे माँ जानकी के चीरहरण की बात कह दी। फिर क्या था, विधायक के इस बात को विरोधियों ने हाथोंहाथ लिया और सोशल मीडिया पर ट्रोल करना शुरू कर दिया। मामला मोतिहारी विधानसभा क्षेत्र के पिपराकोठी प्रखण्ड स्थित झखड़ा गाँव मे माता सबरी और भुईया बाबा महोत्सव के आयोजन की पूर्व तैयारी के अवसर पर बॉर्डर न्यूज मिरर के कैमेरे के समक्ष भुईया बाबा की महता का बखान करते हुये कहा कि माता सबरी भुईया बाबा के यह रहती थी। जब माता सीता का चीरहरण हुआ तो रावण का पता सबरी ने बताया। विधायक ने रामायण और महाभारत के इन महत्वपूर्ण प्रसंगो को लेकर अज्ञानता पर सवाल उठाए जा रहे है। विधायक पर तथ्यों को तोड़ मरोड़ का प्रस्तुत करने के आरोप लग रहे है वही विधायक समर्थको का कहना है जुबान फिसल गई होगी। एक तो बताया गया कि सबरी मातंग ऋषि के आश्रम मे रहती थी वही माता सीता का रावण ने अपहरण किया था जबकि द्रौपदी का चीर हरण कौरवो द्वारा किया गया था। वायरल वीडियो के बाद सोशल मीडिया पर विधायक के सनातन ज्ञान को लेकर सवाल किया जा रहा है। ई. अजय कुमार आजाद ने विधायक के एलएलबी डिग्री को तेजस्वी यादव के नवमी की डिग्री से तुलना करते हुए कहा की नवमी फेल को भी यह पता होगा अपहरण और चीर हरण मे क्या फर्क है। अधिवक्ता ममता रानी वर्मा ने कहा जुबान फिसल गई होगी। जानकारो ने बताया कि झखड़ा गाँव मे मल्लाह जाति और दलितो पर निशान साधने के नियत से भाजपा इस महोत्सव की तैयारी कर रही है। जिसमे सांसद राधा मोहन सिंह सहित बिहार के कई मंत्री और विधायक के भी आने की संभावनए जताई जा रही है।

काला आलू किसानों के लिए बना फायदे का सौदा

डायबिटीज के मरीज भी कर सकते हैं इस आलू का सेवन

बीएनएम। मोतिहारी

किसान प्रयागदेव सिंह बताते है कि डायबिटीज के मरीज भी कर सकते हैं इस आलू का सेवन, हार्ट के लिए रामबाण और कैंसररोधी गुणों से भरपूर इस काले आलू में पाए जाने वाले कॉपर, मैंगनीज और फाइबर जैसे औषधीय तत्व, हार्ट, डायबिटीज, लीवर और फेफड़े के लिए फायदेमंद हैं। बिहार के कई जिलों के किसानों के अलावा यूपी, झारखंड और असम तक के किसानों को भेज रहे हैं काला आलू उन्होंने इसकी खेती में पारंगत हो चुके हैं और अब दूसरे किसानों को भी मदद पहुंचाना चाहते है। गौर करने वाली बात यह है कि काले आलू की सब्जी भी पूरी तरह से जामुनी रंग की होती है, और इसका स्वाद सफेद आलू से बिलकुल अलग होता है काले आलू की खेती से किसान सफेद आलू की तुलना में तीन से चार गुना ज्यादा मुनाफा कमा सकते हैं. सिर्फ इतना ही नहीं, डायबिटीज के मरीजों के लिए सफेद आलू नुकसानदायक हैं, लेकिन काला आलू उनके लिए फायदेमंद है। इसका सबसे बड़ा कारण इस आलू में पाया जाने वाला एंटी ऑक्सीडेंट और फ्लोरिक एसिड है। सागर चूरामन निवासी प्रयागदेव सिंह ने बताया कि साधारण आलू की तुलना में काले आलू में कार्बोहाइड्रेड की मात्रा 20 प्रतिशत तक कम होती है। ऐसे में डायबिटीज के मरीज भी इसका सेवन कर सकते हैं. इस काले आलू में पाए जाने वाले कॉपर, मैंगनीज और फाइबर जैसे औषधीय तत्व, हार्ट, डायबिटीज, लीवर और फेफड़े के लिए फायदेमंद है। खून की कमी से जूझ रहे मरीजों के लिए यह संजीवनी से कम नहीं है। साधारण आलू की तुलना में काले आलू की कीमत करीब चार गुना अधिक है। आधे एकड़ खेत में ही करीब 500 किलोग्राम तक आलू की पैदावार हो जाती है।

हरसिद्धि के मुख्य पथ पर फुटपाथी दुकानदारों का कब्जा

बीएनएम। राकेश कुमार

» सरकारी जमीन पर दुकान लगवा कर दुकानदारो से हो रही है अवैध वसूली

» जाम से हलकान रहते है लोग, कोई सुधि लेने वाला नही

मोतिहारी/हरसिद्धि । स्थानीय प्रशासन के लिए हरसिद्धि बाजार के मुख्य पथ पर फुटपाथी दुकानदारों के द्वारा आनेजाने वाले लोगो व वाहनों के लिए इस रोड से होकर गुजरना एक चुनौतीपूर्ण कार्य बनता जा रहा है। हालांकि, इन दुकानदारों पर सड़क अतिक्रमण के आरोप तो लगते ही है साथ में इनको भाड़ा के नाम पर शोषण भी किया जाता है, फुटपाथी दुकानदारो की माने तो दुकान लगाने के लिए इनसे प्रतिदिन 200 - 300 रुपये देना पड़ता है। इन पैसो की अवैध उगाही सड़क के किनारे के दुकानदारों व जमीन मालिक करते है। हालांकि ये सारे फुटपाथ की दुकान सरकारी सड़क पर लगाये जाते हैं। प्रशासन व पुलिस की वाहन भी जाम में सरकती रहती है। पिछले कई साल पहले आर टी आई कार्यकर्ता स्व. विपिन अग्रवाल के द्वारा आवाज उठाने पर गाहे बगाहे अतिक्रमण हटाया जाता था, लेकिन उनकी हत्या भू-माफियाओं के द्वारा गोली मारकर कर दी गई। जिसके बाद से लगातार हरसिद्धि बाजार में सरकारी जमीन पर अतिक्रमण जारी है। भूमाफियाओं के द्वारा गायत्री पेट्रोल पम्प से लेकर पूर्व मंत्री अवधेश कुशवाहा के पेट्रोल पंप तक सैकड़ों दुकाने अवैध रूप से लगवा कर फुटपाथ दुकानदारों से भूमाफियाओं के द्वारा अवैध राशि की उगाही की जाती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रशासन भी कोई कार्रवाई नहीं करती है। मुख्य मार्ग पर दुकानों के कारण जाम की समस्या बनी रहती है। पैदल चलने वालों को भी भारी दिक्कत का सामना करना पड़ता है। दुकानदार भी प्रशासन की कार्रवाई से बेखौफ नजर आ रहे हैं। लोगों का कहना है कि प्रशासनिक सख्ती के बिना समस्या का समाधान मुश्किल नहीं है। अबतक स्थानीय पुलिस प्रशासन भी फुटपाथ को खाली कराने के लिए कई बार अभियान चलाकर खाली कराया गया परंतु कुछ ही दिन बाद फिर अतिकरण कर लिया गया, पुलिस भी मुख्य मार्ग पर व्यवस्था कायम रखने के लिए कोई कार्यवाही नहीं की,स्थानीय दुकानदारों का कहना है कि अपने परिवार की जीविका चलाने के लिए सड़क पर दुकान तो लगाते है लेकिन दुकान के पीछे के जमीन मालिक 200 से 300 रुपए लेते हैं, जिसे गल्ला और मुनाफा दोनों बराबर हो जाता है जिसके कारण घर चलाना भी मुश्किल हो जाता है, सड़क किनारे लगाए गए दुकानदार ने बताया कि साहब हम लोगों यह दुकान नहीं किए तो परिवार की परवरिश करना मुश्किल है पुलिस प्रशासन को आम जनता को परेशानी न हो, इसका भी ध्यान रखना जरूरी है। अतिक्रमण को लेकर प्रशासन की आगे की रणनीति क्या होगी, यह देखने वाली बात होगी। स्थानीय लोग स्थायी समाधान की मांग कर रहे हैं। पुलिस प्रशासन के समन्वय से ही इस समस्या का हल निकल सकता है। फुटपाथ को खाली कराने के लिए सख्त नियमों और निरंतर निगरानी की जरूरत है। प्रशासनिक सख्ती के बिना अतिक्रमण की समस्या पर काबू पाना मुश्किल होगा।

कालाजार उन्मूलन को लेकर आशा कार्यकर्ताओं को दिया जा रहा प्रशिक्षण

बीएनएम। मोतिहारी

» बालू मक्खी के काटने से होता है कालाजार

» इसकी समय पर पहचान व इलाज जरूरी

कालाजार उन्मूलन कार्यक्रम के तहत जिले के 23 प्रखंडों के 1200 आशाओं को सदर अस्पताल स्थित आरटीसी केंद्र में भीडीसीओ धर्मेंद्र कुमार एवं गौतम कुमार के द्वारा 21 फ़रवरी से प्रशिक्षण दिया जा रहा है। यह 11 मार्च तक चलेगा। डीभीडीसीओ शरत चंद्र शर्मा ने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान आशा कार्यकर्ताओं को कालाजार के लक्षणों की पहचान व उससे बचाव के उपाय बताए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि बालू मक्खी के काटने से कालाजार होता है। जागरूकता कालाजार से बचाव का बेहतर उपाय है। इसलिए आशा प्रशिक्षण के उपरांत घर-घर जाकर कालाजार के मरीजों को खोज करने के साथ आमजनों को भी इसके लक्षणों की पहचान व उससे बचाव के उपाय बताए।

बचाव के लिए जागरूकता है बेहतर उपायः वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी डॉ एस सी शर्मा ने बताया कि कालाजार के संपूर्ण उन्मूलन के लिए जागरूकता जरूरी है। इसके लिए सरकार की तरफ से आशा कार्यकर्ताओं को प्रोत्साहन राशि के रूप में 100 रुपये अतिरिक्त दिए जाते हैं। आशा कार्यकर्ता छिड़काव होने से पहले घर-घर जाकर लोगों को इसकी जानकारी देंगी। उन्होंने बताया कि छिड़काव चक्र के दौरान चयनित गांवों के सभी घरों एवं गौशाला के अंदर पूरी दीवार पर दवा का छिड़काव किया जाना है। अगर एक भी घर छिडकाव से वंचित रह गया, तो बालू मक्खी के पनपने का खतरा बना रहेगा।

कालाजार के मरीजों को सरकार द्वारा दी जाती है 7100 रुपये की राशिः भीडीसीओ धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि बालू मक्खी के काटने से ही कालाजार होता है। उन्होंने बताया कि यह मक्खी कम रोशनी वाली और नम जगहों जैसे मिट्टी की दीवारों की दरारों, चूहे के बिलों तथा नम मिट्टी में रहती है। इसलिए दवा का छिड़काव घरों, गौशालाओं की दीवार पर छह फीट तक किया जाता है। उन्होंने बताया कि क्षतिपूर्ति के रूप में कालाजार के मरीजों को सरकार द्वारा 7100 रुपये की राशि दी जाती है।

कालाजार के लक्षणः रुक-रुक कर बुखार आना, भूख कम लगना, शरीर में पीलापन और वजन घटना, तिल्ली और लिवर का आकार बढ़ना, त्वचा-सूखी और पतली होना, बाल झड़ना आदि। इससे पीड़ित होने पर शरीर में तेजी से खून की कमी होने लगती है।

किसानों को सस्ता व आसान ऋण उपलब्ध कराने के लिए सरकार की नई पहल

» संशोधित ब्याज सहायता योजना के तहत ऋण सीमा बढ़ाकर 3 लाख से 5 लाख की गई

» एलडीएम गोपाल प्रसाद द्वारा सरकार की योजनाओं को किसानों को विस्तृत रूप से समझाकर बताया गया

बीएनएम। मोतिहारी

केंद्रीय बजट 2025-26 में भारत के अन्नदाता पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया है, जिससे सरकार की कृषि विकास और उत्पादकता को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता स्पष्ट होती है। कृषि को दस प्रमुख विकासात्मक क्षेत्रों में शामिल किया गया है, जो भारत की आर्थिक प्रगति को गति देने वाला एक महत्वपूर्ण इंजन है। केंद्रीय बजट 2025-26 घोषणाओं के कार्यान्वयन पर चर्चा करने के लिए 01 मार्च, 2025 शनिवार को पूर्वी चंपारण जिले के मोतिहारी सदर प्रखंड भवानीपुर जिरात स्थित सेंट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) परिसर में जिले के विभिन्न गाँव से आए 35 से अधिक किसानों ने सम्मिलित होकर भारत का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा आयोजित "कृषि और ग्रामीण समृद्धि पर बजट के बाद वेबिनार" में शामिल हुए। उद्घाटन भाषण प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिया गया और कृषि और किसान कल्याण विभाग (डीओए व एफडब्लू) के विभिन्न विभागों के सचिवों की अध्यक्षता में किया गया। अग्रणी जिला प्रबंधक (एलडीएम) गोपाल प्रसाद ने किसानों को सस्ता और आसान ऋण उपलब्ध कैसे हो इसके बारे में विस्तृत रूप से बताया गया और चर्चा किया गया। वहीं प्रतिभागियों में कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के विभिन्न प्रतिनिधियों के साथ-साथ आरबीआई (आरबीआई), नाबार्ड, अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक (एसीबी), क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक (आरआरबी), राज्य सहकारी और जिला केंद्रीय सहकारी बैंक (एसटीसीबी और डीसीसीबी), राज्य स्तरीय बैंकर्स समितियां (एसएलबीसी), कृषि विकास केंद्र (केवीके) और देश के कोने-कोने से आए किसान शामिल रहे। जैसा कि आर्थिक सर्वेक्षण 2024 में भी बताया गया है, 31.3.2024 तक 7.75 करोड़ किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) खाते हैं। अल्पकालिक ऋण जरूरतों को पूरा करके केसीसी योजना ने कृषि उत्पादकता बढ़ाने और किसानों की आय बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। केसीसी संशोधित ब्याज अनुदान योजना (केसीसी-एमआईएसएस) किसानों को 4 प्रतिशत की प्रभावी रियायती ब्याज दर पर ऋण दे रही है। किफायती ऋण तक आसान पहुंच सुनिश्चित करने के लिए, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने जमानत मुक्त केसीसी ऋण को 1.6 लाख से बढ़ाकर 2 लाख कर दिया है। एक बड़े कदम के रूप में, केंद्रीय बजट 2025-26 ने संशोधित ब्याज सहायता योजना (एमआईएसएस) के तहत ऋण सीमा को 3 लाख से बढ़ाकर 5 लाख कर दिया है। इस कदम से छोटे और सीमांत किसानों पर वित्तीय तनाव कम होने के साथ-साथ कृषि में अधिक निवेश को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। इससे फसत उत्पादन, बागवानी, पशुपालन और मत्स्य पालन के लिए किसानों की बढ़ी हुई कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं को पूरा करने में काफी मदद मिलेगी। पीएम मोदी ने कहा कि सरकार ने पिछले दशकों में एमआईएसएस के माध्यम से किसानों को 1.44 लाख करोड़ रुपये प्रदान किए हैं। इन पहलों के माध्यम से सरकार का लक्ष्य 2023-24 में कृषि अल्पकालिक ऋण को 9.81 लाख करोड़ रुपये से बढ़ाकर 2029-30 तक 20 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचाना है। इन उपायों के जरिए सरकार न केवल ग्रामीण क्षेत्रों में ऋण की सुलभता बढ़ा रही है, बल्कि किसानों को वित्तीय स्वतंत्रता भी दे रही है। जैसे-जैसे यह पहल पूरे देश में लागू होगी, इसमें भारत में कृषि ऋण को फिर से परिभाषित करने की क्षमता है, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि समय पर और किफायती ऋण उन लोगों तक पहुंचे जिन्हें इसकी सबसे ज्यादा जरूरत है। उक्त आशय की जानकारी प्रेस विज्ञप्ति जारी कर अग्रणी जिला प्रबंधक (एलडीएम) गोपाल प्रसाद ने दी है।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस – 2025: युवा वैज्ञानिकों के साथ भविष्य के वैज्ञानिकों को प्रेरित करने का अनूठा आयोजन

बीएनएम। मोतिहारी

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, बिहार के भौतिकी एवं रसायन विज्ञान विभाग, स्कूल ऑफ फिजिकल साइंसेज के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस – 2025 के उपलक्ष्य में "युवा मस्तिष्क के साथ राष्ट्रीय विज्ञान दिवसः भावी वैज्ञानिकों को प्रेरित करना" विषय पर एक भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों एवं शोधार्थियों में वैज्ञानिक सोच को प्रोत्साहित करना तथा अनुसंधान एवं नवाचार के प्रति रुचि उत्पन्न करना था। यह दिवस भारत के प्रसिद्ध वैज्ञानिक डॉ. सी. वी. रमन द्वारा खोजे गए रमन प्रभाव की स्मृति में मनाया जाता है, जिसके लिए उन्हें 1930 में भौतिकी के क्षेत्र में भारत का पहला नोबेल पुरस्कार प्राप्त हुआ था। कार्यक्रम की शुरुआत रसायन विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो. रफीक उल इस्लाम द्वारा सभी आमंत्रित अतिथियों एवं प्रतिभागियों के स्वागत संबोधन से हुई, जिसमें उन्होंने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला। इसके बाद, मुख्य अनुशासन अधिकारी एवं स्कूल ऑफ ह्यूमैनिटीज के डीन प्रो. प्रसून दत्त सिंह ने भारतीय विज्ञान के इतिहास से प्रेरणा लेने और विज्ञान व प्रौद्योगिकी में नवाचार को बढ़ावा देने के महत्व को रेखांकित किया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रो. (डॉ.) श्यामल चक्रवर्ती, कोलकाता विश्वविद्यालय ने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के ऐतिहासिक विकास पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के महत्व एवं डॉ. सी. वी. रमन के वैज्ञानिक योगदानों की विस्तृत व्याख्या की, जिससे प्रतिभागियों को विज्ञान के क्षेत्र में नए शोधों के प्रति प्रेरित किया। इसके उपरांत, छात्रों में वैज्ञानिक जागरूकता बढ़ाने हेतु सामान्य विज्ञान पर आधारित क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसके साथ ही, इंटरएक्टिव साइंस प्रदर्शनी आयोजित की गई, जिसमें विद्यार्थियों और शोधार्थियों द्वारा नवाचार संबंधी प्रोजेक्ट्स का प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम के दौरान, युवा वैज्ञानिकों एवं नवाचारकर्ताओं को सम्मानित किया गया। स्कूल ऑफ लाइफ साइंसेज के डीन प्रो. प्रणवीर सिंह एवं भौतिकी विभाग के अध्यक्ष प्रो. सुनील कुमार श्रीवास्तव ने उत्कृष्ट वैज्ञानिक उपलब्धियों के लिए इन युवा वैज्ञानिकों को सम्मानित किया। इस विज्ञान प्रदर्शनी में रसायन विज्ञान, भौतिकी, जैव प्रौद्योगिकी, वनस्पति विज्ञान एवं प्राणी विज्ञान विभाग सहित मोतिहारी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग की स्टार्ट-अप और इनोवेशन टीम ने भाग लिया। सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शनी का पुरस्कार प्राणी विज्ञान विभाग, एमजीसीयू एवं मोतिहारी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग की स्टार्ट-अप टीम को प्रदान किया गया। क्विज प्रतियोगिता में जवाहर नवोदय विद्यालय, पूर्वी चंपारण के छात्रों ने सभी शीर्ष स्थान हासिल किए। कार्यक्रम का समापन डॉ. स्वेता सिंह, सहायक प्रोफेसर, भौतिकी विभाग, एमजीसीयू द्वारा धन्यवाद ज्ञापन से हुआ, जिसमें उन्होंने सभी प्रतिभागियों एवं अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस भव्य आयोजन में 200 से अधिक प्रतिभागियों की उपस्थिति रही, जिससे यह कार्यक्रम विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नवाचार एवं शोध को प्रोत्साहित करने के लिए अत्यंत सफल सिद्ध हुआ।

संक्षिप्त समाचार

करप्शन व अवैध बहाली के आरोप के बाद रक्सौल नगर परिषद के सभापति के कुर्सी पर गहराया संकट

बीएनएम। मोतिहारी। रक्सौल नगर परिषद के सभापति धुरपति देवी पर लगे वित्तीय अनियमितता व अवैध बहाली के आरोप के बाद उनकी कुर्सी पर संकट गहराता दिख रहा है।सभापति पर आरोप है कि उन्होने पद का दुरुपयोग करते हुए समूह ग (लिपकीय संवर्ग) समूह घ (चतुर्थ वर्गीय) में अवैध बहाली की है,साथ ही बिना बोर्ड बैठक के स्वीकृति के 6 करोड़ 63 लाख 99 हजार 500 रु के उपकरण की खरीद की है।लिहाजा इस आरोप के बाद वित्तीय नगर विकास विभाग ने उनसे दो सप्ताह के अंदर स्पष्टीकरण की मांग की है। उल्लेखनीय है,कि कुछ दिन पूर्व उपमुख्य पार्षद समेत दर्जनों पार्षदों ने मोतिहारी डीएम सौरभ जोरवाल को आवेदन देकर रक्सौल नगरपरिषद सभापति धुरपति देवी पर पद का दुरुपयोग कर समूह ग (लिपकीय संवर्ग) समूह घ (चतुर्थ वर्गीय) में अवैध बहाली व बिना बोर्ड बैठक के स्वीकृति के बाजार भाव से महंगे मूल्य पर 6 करोड़ 63 लाख 99 हजार 500 रुपए के उपकरण की खरीदने का गंभीर आरोप लगाया था,जिसके बाद डीएम सौरभ जोरवाल के निर्देश पर वरीय एडीएम के अध्यक्षता में एक जांच कमिटी का गठन किया गया। जांच कमिटी ने विभाग के दिशा निर्देश व आरोपो की गहनता से जांच के बाद डीएम को जांच रिपोर्ट सौंप दिया।मिली जानकारी के अनुसार जांच में आरोप की पुष्टि होने के बाद डीएम ने इस मामले में अग्रतर करवाई के लिए जांच प्रदिवेदन नगर विकास विभाग को भेज दिया। इसके बाद विभाग के अवर सचिव राजेश्वर राज ने रक्सौल नगर परिषद के सभापति धुरपति देवी से दो सप्ताह के अंदर चार बिंदुओ पर स्पष्टीकरण की मांग की है।

सुगौली में साइबर फ्रॉड गिरोह के दो शातिर धराए

बीएनएम। मोतिहारी। जिले के सुगौली थाना पुलिस ने वाहन जाँच के क्रम में मोतिहारी-रक्सौल राजमार्ग पर बंगरा गांव के समीप दो साइबर फ्रॉड को हिरासत में लिया। जांच के क्रम में दोनो के पास से पुलिस ने एक लाख तिरसठ हजार रुपए नकद सहित एक नेपाली एटीएम सहित पांच मोबाइल बरामद किया है। पकड़े गये दोनो लोग पश्चिम चंपारण के मझौलिया थाना निवासी विशाल पांडेय व अनुभव उपाध्याय है,जिनमें विशाल पांडेय पर मझौलिया थाना में मारपीट करने के मामले पूर्व से दर्ज है। डीएसपी जीतेश पांडेय ने बताया कि राजमार्ग पर सुगौली के बंगरा गांव के समीप राजमार्ग पर वाहन जांच के दौरान आई ट्वेंटी गाड़ी को रोक जांच की गई। जांच के दौरान दोनों युवकों के पास से मिले नेपाली नंबर की सिम सहित नौ एटीएम कार्ड तथा एक लाख तिरसठ हजार रुपए बरामद किया गया, जिसकी जांच के दौरान इन दोनों द्वारा साइबर ठगी करने का मामला सामने आया है। पूछताछ के दौरान इनका कनेक्शन पाकिस्तान का भी होने का अनुमान है,इसको लेकर इन दोनों को हिरासत में लेकर अन्य सभी बिंदुओं पर जांच की जा रही है।छापेमारी टीम में थानाध्यक्ष अमित कुमार सिंह,साइबर थानाध्यक्ष सह डीएसपी वसीम अहमद,दरोगा पूजा कुमारी सहित अन्य अधिकारी शामिल थे।

जदयू बूथ कमिटी एवं जिला संगठन की बैठक हुई संपन्न

बीएनएम। बगहाः शनिवार को बगहा 1प्रखंड सभागार में जनता दल यूनाइटेड का बूथ कमिटी एवं जिला संगठन की बैठक जदयू एमएलसी सह जिला अध्यक्ष भीष्म साहनी की अध्यक्षता मे संपन्न हुई। इस बैठक में बाल्मीकि नगर सांसद सुनील कुमार, बाल्मीकि नगर विधायक धीरेंद्र प्रताप सिंह उर्फ रिंकू सिंह , पूर्व विधायक प्रभात रंजन सिंह, पूर्व विधान पार्षद राजेश राम , ढाका विधानसभा प्रभारी दयाशंकर सिंह, हरसिद्धि विधानसभा प्रभारी राकेश सिंह, किसान प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष मुन्ना सिंह, गोविंदगंज विधानसभा प्रभारी राजेश बैठा, बेतिया जिला अध्यक्ष शत्रुघ्न कुशवाहा , जिला संगठन प्रभारी भरत पटेल , बगहा विधान सभा प्रभारी अनिल कुमार , जयेंद्र सिंह , श्याम बिहारी गुप्ता जी, सुरेन्द्र गुप्ता , ओम प्रकाश शाही बीरेंद्र कुशवाहा, नौशाद अख्तर , रंजन यादव , निवेदिता मिश्रा , नगर अध्यक्ष जुगनू आलम , इंद्रसेन पांडे , राजेश्वर राव, जीतन जायसवाल जी, इम्तियाज अहमद, इस बैठक में उपस्थित हुए इस बैठक मे एमएलसी सह जिला अध्यक्ष भीष्म साहनी ने संगठन पर विचार विमर्श किया एवं बूथ कमिटी पर जोर देते हुए कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर आप हर हाल में तैयार रहे और अपने बूथ कमिटी को काफी मजबूत करे।वही बाल्मीकि नगर विधायक रिंकू सिंह ने कहा आगामी चुनाव को लेकर मुख्यमंत्री के हाथों को मजबूत करना है जिसको लेकर आप सभी स्तर पर अपने काम में लग जाए और जन जन तक मुख्यमंत्री की योजना को पहुंचाने का काम करें।

सामान्य स्थायी समिति व वित्त अंकेक्षण एवं योजना समिति की बैठक संपन्न

बीएनएम। मोतिहारी

जिला परिषद् अध्यक्ष ममता राय की अध्यक्षता में शनिवार को सामान्य स्थायी समिति तथा वित्त अंकेक्षण एवं योजना समिति के बैठक का आयोजन किया गया। जिप अध्यक्ष ममता राय के द्वारा जिला परिषद् अन्तर्गत कार्यान्वित होने वाले योजनाओ के संबंध में त्वरित कार्यान्वयन हेतु जिला अभियंता, जिला परिषद् को निदेश देते हुए जिला परिषदीय आवंटियों के साथ एकरारनामा/एकरारनामा का नवीकरण समय सीमा के अन्दर कराने का निर्देश दिया। उन्होने ने स्पष्ट तौर पर कहां कि जो आवंटी एकरारनामा एवं नवीकरण नही कराते है तथा बकाया किराया चुकता नही करते है उनसे सख्ती से निपटते हुए उनका आवंटन रद्द करने का निदेश दिया। श्रीमती राय ने उन आवंटियो को हिदायत दिया जिन्होने आवंटित एरिया से अतिरिक्त एरिया पर अतिक्रमण किया हुआ है उन्होने मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी को निदेशित करते हुए कहा कि एक सप्ताह के अन्तर्गत अतिक्रमण खाली कराया जाय अथवा उन पर नियमानुसार कार्रवाई करते हुए जिला परिषदीय शर्त के विरूद्ध कार्य करने के आरोप में उनका आवंटन रद्द किया जाय। श्रीमती राय ने जिला अभियंता को प्राथमिकता के तौर पर पकड़ीदयाल, छौड़ादानो, तुरकौलिया एवं घोड़ासहन के अतिक्रमित भूमि को शीध्र खाली कराने हेतु उच्च न्यायालय में रिट याचिका दाखिल करने का निदेश दिया। उक्त समीक्षा के क्रम में जिला अभियंता, जिला परिषद् को निदेशित किया की कार्यालय में भंडारित महोगनी एवं अन्य लकड़ियो को तुरन्त निलामी की प्रक्रिया की जाय तथा जिन आवंटियो के यहां बकाया है उनपर प्रमाण पत्र मुकदमा दाखिल करते हुए एवं जिनके विरूद्ध प्रमाण पत्र मुकदमा दाखिल है उनके विरूद्ध वसूली की कार्रवाई की जाय तथा इस मामले को देखने हेतु विद्वान अधिवक्ताओ को ईन-पैनल करने का निदेश दिया। उन्होने यह भी कहां की ग्रामीण कार्य प्रमंडल के कार्यपालक अभियंताओ, वन विभाग के पदाधिकारियो, श्रम विभाग के अधिकारियो को अपने-अपने विभाग से सरकार के मार्गदर्शन में काम करने का सुझाव देते हुए प्रगति प्रतिवेदन, जिला परिषद् को भी उपलब्ध कराने का निदेश दिया। श्रीमती राय ने स्पष्ट तौर पर मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी को निदेशित किया कि जिन आवंटियो के यहां किराया लम्बित है उनके दुकान में अविलम्ब तालाबन्दी कराया जाय तथा उनके आवंटन को रद्द करने का प्रस्ताव उपस्थापित की जाय तथा कार्यालय में कर्मियो के अनुपस्थिति पर कड़ा ऐतराज जताते हुए सभी कर्मियो की उपस्थिति फेस वाले बायोमैट्रीक मशीन से दर्ज कराने का निदेश देते हुए सभी संचिकाओ को तीन दिन के अन्दर निष्पादन करने का निदेश दिया। इस मौके पर सदस्य सहनाज बेगम, उमरावती देवी, सोनालाल साह, कृष्णा दास, परमानन्द पटेल, राकेश पासवान, सहयोजित सदस्य शशिभूषण राय उर्फ गप्पू राय, संजीव कुमार सिंह, उप विकास आयुक्त-सह- मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी शम्भू शरण पाण्डेय, अपर मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, जिला परिषद्, जिला अभियंता, जिला परिषद्, सहायक अभियंता, जिला परिषद् एवं अन्य संबंधित विभाग के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

भ्रस्टाचार के आरोप में पताही थाना अध्यक्ष कैलाश कुमार निलंबित

बीएनएम। पकड़ीदयाल। अजीत कुमार सिंह

पताही थाना अध्यक्ष कैलाश कुमार के विरुद्ध शराबबंदी कांड और अन्य मामलों में लापरवाही पाए जाने पर एसपी स्वर्ण प्रभात के द्वारा डीआईजी से निलंबन की अनुशंसा की गई थी। डीआईजी ने पताही थाना अध्यक्ष को निलंबित कर दिया है। एसपी ने कहा कि शराबबंदी के विरुद्ध लापरवाह कर्मियों पर कार्रवाई जारी रहेगी। शराबबंदी कानून को सख़्ती से लागू करने के लिए बिहार सरकार द्वारा चलाए जा रहे हैं अभियान के तहत पूर्वी चंपारण जिले के पताही थाना अध्यक्ष कैलाश कुमार को पुलिस उप महानिरीक्षक चंपारण परिक्षेत्र हरिकिशोर राय के निर्देश पर पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने निलंबित कर दिया है। उन पर शराबबंदी कांड और अन्य मामलों में लापरवाही बरतने का आरोप था। पताही थाना अध्यक्ष के खिलाफ कई शिकायत मिली थी। जिसमें शराब बंदी कानून के उल्लंघन और अन्य मामलों में लापरवाही के आरोप शामिल थे। इन शिकायतों की जांच के बाद यह पाया गया कि थाना अध्यक्ष ने अपने कर्तव्यों का निर्वहन ठीक से नहीं किया था और शराब के अवैध कारोबार को रोकने में विफल रहे थे। पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने कहा कि शराबबंदी के विरुद्ध लापरवाह कर्मियों पर कार्रवाई जारी रहेगी उन्होंने सभी पुलिस अधिकारियों को शराबबंदी कानून को सख़्ती से लागू करने और शराब के अवैध कारोबार को रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाने का निर्देश दिए हैं।

प्रधानमंत्री जन औषधि परियोजना के स्थापना दिवस पर सात दिवसीय कार्यक्रम हुआ शुरू

बीएनएम। मोतिहारी

केंद्र सरकार की महत्वकांक्षी योजना जन औषधि परियोजना के स्थापना दिवस पर शनिवार को सात दिवसीय कार्यक्रम का भव्य शुभारंभ किया गया। जन औषधि दिवस के रूप में आयोजित कार्यक्रम के पहले दिन पद यात्रा कार्यक्रम का आयोजन किया गया।पद यात्रा की शुरूआत सदर अस्पताल स्थित जन औषधि केंद्र से हुई। जो मोतिहारी नगर के विभिन्न चौक चौराहा का भ्रमण करते हुए चरखा पार्क पहुंचा। पदयात्रा को नगर विधायक पूर्व मंत्री प्रमोद कुमार एवं जिला औषधि नियंत्रक प्रभात चौधरी ने रवाना किया इसके पूर्व नगर विधायक प्रमोद कुमार ने दीप जलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया । इस अवसर पर प्रमोद कुमार ने कहा कि मोदी सरकार गरीबों के लिए सस्ती दवा योजना को शुरू किया, जिसमें दवा की गुणवत्ता में कोई कमी नहीं है,उन्होने कहा कि मै स्वयं जन औषधि केन्द्र की दवा का सेवन करता हुँ। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार 3300 करोड रुपए का प्रावधान इस बजट में जन औषधि के लिए किया है,ताकि गरीबों को सस्ती दवा उपलब्ध हो सके। इस अवसर पर जन औषधि के नोडल पदाधिकारी अशोक द्विवेदी, जन औषधि केंद्र संचालक आभा सिन्हा मुकेश सिन्हा, ऐश्वर्य प्रिया आलोक अस्थाना, मुकेश पांडेय, सुनील तिवारी,प्रीतम कुमार, डॉ रवि कुमार पांडेय, सुजीत झा, रोहित कुमार, रतन तिवारी, श्रीनिवास मिश्र सहित जिले भर के सभी केंद्र संचालक मौजूद रहे।

तिल के खेती को बढावा देने में जुटे परसौनी कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक

बीएनएम। मोतिहारी

जिला के पहाड़पुर प्रखंड के परसौनी स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक तिलहन उत्पादन में किसानो को आत्मनिर्भर बनाने के लिए तिल फसल की खेती को बढ़ावा देने में जुट गये है।तिलहन की पैदावार को बढ़ाने को लेकर समूह अग्रिम पंक्ति प्रत्यक्षण के अंतर्गत तिल की खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है। वैज्ञानिको का मानना है कि इस पहल से तिलहन की खेती को बढ़ावा मिलने के साथ-साथ फसल विविधिकरण को भी प्रोत्साहन मिलेगा,जिससे किसानों के पास एक अतिरिक्त आय का स्रोत बढेगा और किसान कृषि प्रणाली को और अधिक मजबूत कर सकेंगे।बताया गया कि फसल विविधिकरण से भूमि की उर्वरता भी बनी रहती है। इस संदर्भ में केन्द्र के विषय वस्तु विशेषज्ञ (कृषि अभियंत्रण) डा.अंशू गंगवार द्धारा पहाड़पुर प्रखंड के ग्राम कचहरी टोला में अत्युत्तम किसान उत्पादक संगठन के सदस्यों एवं किसानों के लिए तिल की खेती पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से किसानों को तिल की खेती से संबंधित संपूर्ण जानकारी प्रदान की गई और किसानों के बीच सफेद रंग के तिल के बीज के साथ अन्य क्रिटिकल इनपुट की सहायता प्रदान की गयी। कार्यक्रम के शुभारंभ में, डॉ. गंगवार ने किसानों को समूह अग्रिम पंक्ति प्रत्यक्षण कार्यक्रम के बारे में विस्तार से बताया और तिल के महत्व पर प्रकाश डाला।इस दौरान उन्होंने तिल उत्पादन में कृषि यंत्रीकरण के महत्व को भी रेखांकित किया और किसानों को तिल की बुआई के लिए सीड ड्रिल मशीन का उपयोग करने की सलाह दी। केन्द्र के मृदा विशेषज्ञ, डॉ. आशीष राय ने बताया कि गर्मी के मौसम में तिल के बीज की 5 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से बुआई करनी चाहिए। इसके दाने बड़े आकार के होते हैं, जिसमें तेल की मात्रा लगभग 40-50 प्रतिशत तक पाई जाती है साथ ही इसमे प्रोटीन भी भरपूर मात्रा में पाया जाता है। तिल की खेती के लिए बलुई दोमट मिट्टी वाली उपजाऊ भूमि सबसे उपयुक्त है। बीज जनित रोगों से बचाव के लिए उपचारित बीज का प्रयोग करने की सलाह दी। तिल की बुआई कतारों में की जानी चाहिए और कतारों के बीच कम से कम 20 सेंटीमीटर की दूरी रखनी चाहिए। सिंचित क्षेत्रों में बीज की गहराई 2-3 सेंटीमीटर तक रखनी चाहिए।

लेखापाल प्रशांत ने उच्च न्यायालय मे रीट दायर किया

मोतिहारी

फर्जी रूप से बहाल लेखापाल को क्यों बचाना चाहते है जिला कृषि पदाधिकारी ? एवं बीएनएम इम्पैक्ट : कृषि बिभाग का अवैध रूप से बहाल लेखापाल चयनमुक्त शीर्षक से 21 जनवरी, 2023 को प्रकाशित खबर को लेकर लेखापाल प्रशांत कुमार ने उच्च न्यायालय मे रीट दायर कर दिया है। प्रशांत कुमार ने अपना पक्ष रखते हुये कहा कि आरोपो के पूर्ण सत्यापन के बिना यह खबर प्रकाशित की गई थी। जिसको लेकर जिलाधिकारी ने मेरे ऊपर कार्रवाई की है। मै इस मामले को लेकर रीट दायर किया हूँ। कागजातों और साक्ष्यों के आधार पर प्रशांत कुमार पर लगे आरोप निराधार और बेबुनियाद है। खबर को लेकर खेद व्यक्त करते हुये आरोपो को दस्तावेजों एवं साक्ष्यों के आधार पर उच्च न्यायालय द्वारा सत्यापन की उम्मीद की जाती है एवं आदेश की कॉपी बॉर्डर न्यूज मिरर को दी जाएगी, ताकि प्रकाशन के बाद सत्य दुनिया के सामने आ सके।

सिकरहना नदी पर प्रस्तावित तटबंध के विरोध में विशाल धरना का आयोजन

बीएनएम। मोतिहारी

जिले के बंजरिया प्रखंड के जटवा गांव में शनिवार को सिकरहना नदी पर प्रस्तावित तटबंध के विरोध एक दिवसीय विशाल धरना का आयोजन किया गया, जहां हजारों की संख्या में सिकरहना तटबंध रोको संघर्ष समिति के बैनर तले जुटे किसान-मजदूर व आम नागरिको के साथ जन प्रतिनिधियो ने एक स्वर में तटबंध निर्माण का विरोध जताया। धरना को संबोधित करते हुए पूर्व मंत्री रामचंद्र सहनी ने कहा कि यह परियोजना बिना जनसुनवाई और जमीनी सर्वेक्षण के शुरू की जा रही है। इस बांध का निर्माण 1978-80 के दौरान शुरू हुआ था लेकिन जनता के विरोध के कारण इसे रोकना पड़ा था,जिसके बाद इस क्षेत्र के भौगौलिक बनावट में काफी परिवर्त्तन हुआ है।कोई भी तटबंध बाढ से बचाने के लिए बनायी जाती है,लेकिन सिकरहना में अभी प्रस्तावित तटबंध से बड़ी आबादी डुब जायेगी। लोगो को पलायन करना होगा। अन्य जनप्रतिनिधियो ने कहा कि इस तटबंध निर्माण से खेती योग्य भूमि बालू की रेत में तब्दील होकर बंजर हो जायेगी।यह बांध रेलवे लाइन और घनी आबादी के करीब प्रस्तावित है। बांध टूटने की स्थिति में रेलवे और स्थानीय निवासियों को भारी नुकसान हो सकता है। बांध बनने से लंबे समय तक जलजमाव होगी। धरना के दौरान संघर्ष समिति ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर सरकार से बांध निर्माण तुरंत रोकने की मांग की। साथ ही चेतावनी दिया कि बिना जनसुनवाई के तटबंध निर्माण किसी भी हालत में नही होने दिया जायेगा।सरकार अगर निर्णय को नही टालती है,तो इसको लेकर बड़ा आंदोलन होगा।

पंजाब से मंगायी गयी 3500 लीटर विदेशी शराब बरामद

बीएनएम। मोतिहारी

जिले के मेहसी थाना क्षेत्र में पुलिस ने शुक्रवार की रात्रि ढाई बजे गुप्त सूचना के आधार पर कारवाई करते हुए 3500 लीटर विदेशी शराब बरामद किया है। जानकारी के अनुसार बरामद शराब पंजाब से टैंकर लारी के चैबर में छुपाकर लाया जा रहा था।पुलिस ने मौके से एक टैंकर लॉरी और पिकअप वाहन भी जब्त किया है। हालांकि तस्कर अंधेरे का लाभ उठाकर भागने में सफल रहे। एसपी स्वर्ण प्रभात ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि होली पर्व को लेकर पंजाब से मंगाई गई शराब की बड़ी खेप मेहसी के सुलसाबाद मार्ग स्थित पुराने कोल्ड स्टोर के समीप आने वाली है। जिसके बाद चकिया डीएसपी सत्येन्द्र कुमार सिंह के नेतृत्व में मेहसी थानाध्यक्ष रंणधीर कुमार भट्ट, एसआई,राहुल कुमार,कृष्ण मोहन कुमार,कन्हैया कुमार दफादर पवन कुमार,चौकीदार बच्चा राय व मेहसी थाना के सशस्त्र बल के जवानो ने घेराबंदी करते हुए टैकलॉरी ट्रक नंबर BR09H 8032 व बेलोरो पिकप गाड़ी नंबर BR06GF 2142 पर 394 कार्टून में लदी कुल 3,533 लीटर विदेशी शराब बरामद किया गया। बरामद सभी शराब पंजाब निर्मित है। एसपी स्वर्ण प्रभात ने कहा सभी फरार तस्करो की पहचान कर ली गई है।जिनके विरूद्ध छापेमारी की जा रही है।

जल की गुणवत्ता संबंधी विवाद गंभीर

धार्मिक आस्था अक्सर तथ्यों और तर्कों से ऊपर होती है। बेशक, इसमें किसी को दखल नहीं देना चाहिए। मगर संभावित जोखिम के प्रति आगाह करना सरकारों, खास कर स्वायत्त प्रशासनिक एजेंसियों का कर्त्तव्य एवं उत्तरदायित्व दोनों ही है। प्रयागराज में गंगा जल की गुणवत्ता संबंधी विवाद गंभीर है। इसमें मुख्य मुद्दा पर्यावरण की गुणवत्ता को सुनिश्चित करने वाली भारत की सर्व-प्रमुख एजेंसी की केंद्रीय और उत्तर प्रदेश इकाई के बीच मतभेद का है। प्रश्न है कि ये एजेंसियां सभी स्तरों पर स्वायत्त ढंग से काम करती हैं, या ये सत्ताधारी दलों के सियासी एजेंडे से प्रभावित भी हो जाती हैं? स्वागतयोग्य है कि नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने इसे गंभीरता से लिया है और उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (यूपीपीसीबी) से जवाब तलब किया है। पूछा है कि क्या यूपीपीसीबी की गंगा जल की स्वच्छता संबंधी रिपोर्ट केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के निष्कर्षों के विपरीत थी। सीपीसीबी लगातार पांच दिन के नमूनों की जांच के बाद इस नतीजे पर पहुंचा कि संगम का पानी पीने और नहाने योग्य नहीं है। फिर भी उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दावा किया है कि ये पानी नहाने और आचमन दोनों के योग्य है। इसके पक्ष में उन्होंने यूपीपीसीबी की रिपोर्ट का हवाला दिया। अब एनजीटी ने सीपीसीबी की रिपोर्ट की रोशनी में यूपीपीसीबी से जल की गुणवत्ता के बारे में विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। सीपीसीबी के मुताबिक कई स्थानों पर गंगा में फेकल कोलीफॉर्म बैक्टीरिया मान्य स्टैंडर्ड से 1400 गुना और यमुना में 660 गुना ज्यादा मिला। 19 जनवरी को तो हर 100 मिलीलीटर में ये मात्रा सात लाख अधिकतम संभव संख्या (एमपीएन) तक पहुंच गई, जबकि इसे 500 के अंदर होना चाहिए। इस रूप में संगम का पानी नहाने योग्य जल के लिए तय प्रतिमान पर खरा नहीं उतरता। तो जाहिर है, लोगों ने वहां अपनी सेहत के लिए भारी जोखिम लेकर स्नान किया। धार्मिक आस्था अक्सर तथ्यों और तर्कों से ऊपर होती है। बेशक, इसमें किसी को दखल नहीं देना चाहिए।

हिन्दी की स्वीकार्यता में सभी भारतीय भाषाओं का विकास जुड़ा है

हृदयनारायण दीक्षित

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन ने केन्द्र पर हिन्दी थोपने का आरोप दोहराया है। इस बयान से राष्ट्रभाषा प्रेमी आहत हैं। हिन्दी हमारा जीवनरस है। प्राण और आत्म भी। मां के गर्भ से संसार में आए तो रोये हिन्दी में। सोए हिन्दी के आंचल में। जागे तो हिन्दी सुने। उठे, बैठे, चले, लुढ़के, गिरे, रोए हिन्दी में। मां ने उठाया और मनाया भी हिन्दी में। गुस्साए और रूठे भी हिन्दी में। बालक से तरुण हुए, गांव, क्षेत्र, नगर जाना हिन्दी में। प्रीति, रीति, नीति हिन्दी की। हमारी प्रकृति हिन्दी है। स्वाभाविक ही हमारी संस्कृति भी हिन्दी में ही खिलती है। उल्लास और उत्साह का रस हिन्दी है। हम हिन्दी में सोचते हैं, हिन्दी में प्रकट होते हैं। हिन्दी हमारी मां है। अंग्रेजी हमारे परिवार की भाषा नहीं है। हमें बताया जाता है कि अंग्रेजी अंतरराष्ट्रीय भाषा है। हम यह उपदेश मान भी लेते लेकिन क्या करें? एशिया महाद्वीप के 48 देशों में से भारत छोड़ किसी भी देश की मुख्य भाषा अंग्रेजी नहीं है। अजरबैजान की भाषा अजेरी, अर्मेनिया की अर्मेनियन, इजराइल की हिब्रू, ईरान की फारसी, उज्बेकिस्तान की उज्बेक, ओमान, सऊदी अरब, सीरिया, ईराक, जार्डन, यमन, बहरीन, कतर व कुवैत की भाषा अरबी है। चीन, ताईवान, सिंगापुर की मंदारिन, इण्डोनेशिया की डच, दोनों कोरिया की कोरियायी, श्रीलंका की सिंहली व तमिल, कम्बोडिया की खमेर, अफगानिस्तान की पश्तो, पाकिस्तान की उर्दू और तुर्किए की तुर्की है। यूरोप को अंग्रेजी भाषी क्षेत्र माना जाता है लेकिन यूरोप के 43 देशों में से 40 की भाषा अंग्रेजी नहीं है। यहां डेनमार्क की डेनिस, चेक गणराज्य की चेक, रूस की रूसी, स्वीडन की स्वीडिस, जर्मनी की जर्मन, स्विटजरलैण्ड व पोलैण्ड की पोलिस, इटली की इटैलियन, ग्रीस की ग्रीक, बुल्गारिया की बल्गेरियन, मोल्दोवा की रोमानियन, यूक्रेन की यूक्रेनियन, फ्रांस की फ्रेंच, स्पेन की स्पेनिस है। सिर्फ ब्रिटेन की ही भाषा अंग्रेजी है। आयरलैण्ड की आयरिश व अंग्रेजी है। अफ्रीका और आस्ट्रेलिया के क्षेत्रों में भी अंग्रेजी मूल भाषा नहीं है। बावजूद इसके अंग्रेजी अंतरराष्ट्रीय भाषा क्यों है? लार्ड मैकाले ने ब्रिटिश संसद में कहा था "उच्चतर जीवन मूल्य और क्षमताओं को देखते हुए भारतीयों पर तब तक विजय प्राप्त नहीं की जा सकती, जब तक वहां की आध्यात्मिक, सांस्कृतिक परम्परा की सशक्त रीढ़ नहीं तोड़ी जाती। इसलिए मेरा प्रस्ताव है कि भारत की प्राचीन शिक्षा पद्धति, संस्कृति को विस्थापित करें कि भारतवासी अंग्रेजी को श्रेष्ठ समझते हुए स्वसंस्कृति और स्वाभिमान खोकर हमारी इच्छानुरूप शासित हो जाएं।" महात्मा गांधी ने आहत मन कहा था, "पृथ्वी पर हिन्दुस्तान ही ऐसा देश है जहां मां-बाप बच्चों को मातृभाषा के बजाय अंग्रेजी पढ़ाना-लिखाना पसंद करेंगे।" भारत की संविधान सभा में राजभाषा पर तीन दिन बहस हुई। एनजी आयंगर ने सभा (12.9.1949) में हिन्दी को राजभाषा बनाने का प्रस्ताव रखा, "हम अंग्रेजी को एकदम नहीं छोड़ सकते। यद्यपि सरकारी प्रयोजनों के लिए हमने हिन्दी को अभिज्ञात किया फिर भी हमें यह मानना चाहिए कि आज वह सम्पुनत भाषा नहीं है।" डॉ. धुलेकर ने बहस (13.9.1949) में कहा, "अंग्रेजी वीरों की भाषा नहीं है। वह वैज्ञानिकों की भी भाषा नहीं है। विज्ञान का एक शब्द भी अंग्रेजी भाषा का नहीं कहा जा सकता और न अंग्रेजी भाषा में प्रयुक्त अंक उस भाषा के अंक हैं। आप कहते हैं अगले 15 वर्षों तक अंग्रेजी भाषा को देश की राजभाषा के रूप में रहने दिया जाये। स्वराज्य के पश्चात भी हमारे स्कूल, विश्वविद्यालय तथा वैज्ञानिक अंग्रेजी में ही काम करते रहेंगे तो यह सुनकर मैं कांप उठता हूं।" सेठ गोविंददास ने कहा "हमने सेक्युलर स्टेट मान लिया है। मगर इसका यह अर्थ कभी नहीं समझा कि सेक्युलर स्टेट मानना अनेक संस्कृतियां मानना हैं। यह एक प्राचीन देश है और इसका पुराना इतिहास है। इस देश में हजारों वर्षों से एक ही संस्कृति चली आई है। इस परम्परा को रखने के लिए और इस बात का खण्डन करने के लिए कि हमारी दो संस्कृतियां हैं, हम एक भाषा और एक लिपि रखना चाहते हैं।" सभा की बहस रोमांचकारी है। पं. नेहरू ने कहा, "हमने अंग्रेजी इस कारण स्वीकार की, कि वह विजेता की भाषा थी, अंग्रेजी कितनी ही अच्छी हो किन्तु इसे हम सहन नहीं कर सकते।" पं. नेहरू अंग्रेजी सहन करने को तैयार नहीं थे। राजभाषा प्राविधान के प्रस्तावक हिन्दी को कमतर बता रहे थे। सभा ने 14 सितम्बर 1949 को हिन्दी को राजभाषा बनाया। 15 वर्ष तक अंग्रेजी में राजकाज चलाने का 'परन्तुक' जोड़ा। संविधान के अनु0 343 (1) में हिन्दी राजभाषा बनी, किन्तु अनु0 343 (2) में अंग्रेजी जारी रखने का प्राविधान हुआ। हिन्दी के लिए आयोग/समिति बनाने की व्यवस्था हुई। हिन्दी के विकास की जिम्मेदारी (अनु0 351) केन्द्र पर डाली गयी। मूल प्रश्न यह है कि क्या अंग्रेजी ज्यादा ज्ञानबोधक है? अमेरिकी भाषा विज्ञानी ब्लूम फील्ड ने अंग्रेजी की बाबत (लैंगुएज, पृष्ठ 52) लिखा "यार्कशायर (इंग्लैंड) के व्यक्ति की अंग्रेजी को अमेरिकी नहीं समझ पाते।" तो

फिर अंग्रेजी विश्व भाषा क्यों है? प्रख्यात भाषाविद् चिंतक डॉ. रामबिलास शर्मा ने 'भाषा और समाज' (पृष्ठ 401) में लिखा "अंग्रेजी के भारतीय प्रोफेसरों को हॉलीवुड की फिल्म दिखाइए, पूछिए, वे कितना समझे? इसके विपरीत हिन्दी की सुबोधता को हर किसी ने माना है। हिन्दी अपनी बोलियों के क्षेत्र में तो समझी ही जाती है गुजरात, महाराष्ट्र आदि प्रदेशों में भी उसे समझने वाले करोड़ों है। यूरोप में जर्मन और फ्रांसीसी अंग्रेजी से ज्यादा सहायक है। जर्मनी और अस्ट्रिया की भाषा जर्मन है। स्विट्जरलैण्ड के 70 फीसदी लोगों की मातृभाषा भी जर्मन है। चेकोस्लोवाकिया, हंगरी, युगोस्लाविया और पोलैण्ड के लोग जर्मन समझते हैं।" हिन्दी भाषी बढ़े हैं। हिन्दी वाले ज्यादा हैं बावजूद इसके वह अपने ही देश में परिपूर्ण राष्ट्रभाषा भी नहीं है। भाषा संस्कृति की संवाहक होती है। ब्रिटिश व्यापार और सत्ता के साथ अंग्रेजी लाये थे। अमेरिकी बहुराष्ट्रीय कम्पनियाँ पूंजी के साथ भाषा लाती है। भाषा के साथ संस्कृति आती है। अमेरिकी भाषा विज्ञानी नोमचोम्सकी ने कहा था, "करोड़ों डॉलर के जनसंपर्क उद्योग के जरिए बताया जाता है कि जिन चीजों की जरूरत उन्हें नहीं है, वे विश्वास करें कि उनकी जरूरत उन्हें ही है।" भाषा का विकास सामाजिक विकास से जुड़कर होता है। सामाजिक विकास में संस्कृति और आर्थिक उत्पादन के कारक प्रभाव डालते हैं। भारत की नई पीढ़ी मूल स्रोत भाषा और संस्कृति से कट रही है। भारत में हिन्दी जानने वालों की संख्या सौ करोड़ से ज्यादा है। अमेरिका, पाकिस्तान, नेपाल, इंडोनेशिया, इराक, बांग्लादेश, इजरायल, ओमान, इक्वाडोर, फिजी, फ्रांस, जर्मनी, ग्रीस, ग्वाटेमाला, म्यांमार, यमन, त्रिनिडाड, सऊदी अरब, पेरू, रूस, कतर आदि देशों में लाखों हिन्दी भाषी हैं। सबसे बड़ी प्रसार संख्या वाले अखबार हिन्दी के हैं। हिन्दी फिल्मों/सीरियलों का व्यापार करोड़ों में है। हिन्दी में लिखे गए इतिहास, संस्कृति व दर्शन ग्रंथ विश्व की किसी भी भाषा से उत्कृष्ट हैं। लेकिन हिन्दी राजभाषा के असली सिंहासन से दूर है। हिन्दी पंख फैलाकर उड़ी है। अपनी सरलता और लोक आच्छादन की क्षमता के कारण। हिन्दी की स्वीकार्यता में सभी भारतीय भाषाओं का विकास भी जुड़ा हुआ है। स्टालिन पुनर्विचार करें। तमिल और हिन्दी साथ-साथ चलें। राष्ट्र भाषा को वास्तविक सम्मान मिलना ही चाहिए।

सूडोकु नवताल- 7357

मध्यम

3				8				9
		8	6		9	5		
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
		6	4		5	8		
9				1				7

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7356 का हल

2	3	8	5	1	9	6	4	7
9	6	4	7	3	8	2	5	1
5	1	7	4	6	2	8	3	9
3	2	5	1	9	7	4	6	8
1	8	9	6	4	3	7	2	5
4	7	6	2	8	5	1	9	3
6	4	3	8	5	1	9	7	2
8	9	2	3	7	4	5	1	6
7	5	1	9	2	6	3	8	4

क्या भाजपा एक नए क्षेत्रीय हिंदुत्व आइकॉन की तलाश में है ?

रंजन श्रीवास्तव

क्या भाजपा वर्ष 2029 में होने वाले लोक सभा चुनावों से पहले किसी बड़े क्षेत्रीय हिंदुत्व आइकॉन की तलाश में है जो खासकर उत्तर प्रदेश में भाजपा के खोये हुए जनाधार को फिर से वापस ले आए और मध्य प्रदेश में पार्टी के जनाधार को मजबूती से बनाये रख सके। देखना यह है कि 2029 के चुनावों में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी भाजपा के पीएम फेस बने रहते हैं या नहीं पर दोनों ही परिस्थितियों में भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व के मन में 2024 के परिणाम पीछा करते रहेंगे जबकि भाजपा उत्तर प्रदेश में 63 सीट से नीचे आकर 33 सीट पर सिमट गयी और 400 पार के नारे के बावजूद 240 सीट पर सिमट गयी। पार्टी का उत्तर प्रदेश में अंकगणित खराब हुआ इस बात के बावजूद कि भाजपा यहाँ डबल इंजन के सरकार की बात लगातार करती रही और योगी आदित्यनाथ हिंदुत्व ब्रांड के एक प्रमुख चेहरा बने रहे। यह सोचना कि भाजपा 2029 के चुनावों में हिंदुत्व के नैरेटिव पर चुनाव नहीं लड़ेगी महज एक अकादमिक चर्चा के लिए तो ठीक है पर वास्तविकता में ऐसा होगा नहीं। इसके बावजूद भी पार्टी नहीं चाहेगी कि उत्तर प्रदेश में वही परिणाम दुहराए जाएँ जो परिणाम 2024 में आए थे। 2029 के पहले उत्तर प्रदेश में 2027 में और मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में 2028 में विधान सभा चुनाव होंगे। मगर विधान सभा के परिणाम का इंतज़ार करने के बजाय भाजपा अभी से अपना चुनावी गणित विशेषकर उत्तर प्रदेश में ठीक करने में लगी है। प्रयागराज में महाकुम्भ 144 साल बाद आयोजित हो रहा है यह बात केंद्र सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार दोनों के द्वारा प्रचारित किया गया। परिणामस्वरूप पूरे देश से हिन्दुओं की आस्था का सैलाब प्रयागराज की तरफ उमड़ पड़ा। महाकुम्भ में भगदड़ और मौतें और नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुए भगदड़ और मौतों ने केंद्र और उत्तर प्रदेश सरकार दोनों की व्यवस्थाओं पर एक बड़ा प्रश्न चिन्ह लगा दिया पर फिर भी जनता इसको लेकर सरकारों के खिलाफ आंदोलित हो गयी हो ऐसा दिखा नहीं। पर आस्था का सैलाब 2029 में वोटों के अंकगणित में बदल जाए और 400 पार का नारा चरितार्थ हो जाए इस बात पर विश्वास करके पार्टी अपनी चुनावी रणनीति नहीं बना सकती। पार्टी का केंद्रीय नेतृत्व किसी किन्तु परन्तु की बजाय ऐसे ठोस रणनीति पर काम करना चाहेगा या काम कर रहा है जिससे उसे 2029 में पूर्ण बहुमत मिले और चौथी बार लगातार सरकार बनाने के लिए जदयू या टीडीपी जैसे किसी बैसाखी की जरूरत ना पड़े। इसलिए भाजपा अपने हिंदुत्व की धार को और तेज करना चाहेगी और उसके लिए एक ऐसे चेहरे की जरूरत पड़ सकती है जो पहले से आजमाया हुआ ना हो और हिन्दुओं के बड़े वर्ग में उसकी स्वीकारोक्ति हो। तो क्या अब बागेश्वर धाम के धीरेन्द्र शास्त्री भाजपा के नए हिंदुत्व आइकॉन या अस्त्र हो सकते हैं? जिस तरह से प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने बागेश्वर धाम में जाने का प्रोग्राम बनाया और धीरेन्द्र शास्त्री को अपना छोटा भाई बताते हुए उनपर अपना स्नेह उड़ेला उससे तो यही लगता है कि भाजपा नेतृत्व उनकी बढ़ती हुयी लोकप्रियता को देखते हुए उनसे चमत्कृत है। प्रधान मंत्री ने बागेश्वर धाम में बालाजी सरकार कैंसर इंस्टीट्यूट का शिलान्यास ही नहीं किया बल्कि वहां एक जनसभा को भी सम्बोधित किया। अप्रत्यक्ष रूप से प्रधान मंत्री ने धीरेन्द्र शास्त्री के पर्ची निकालने विधा की प्रशंसा तक की । उन्होंने धीरेन्द्र शास्त्री की माताजी से यह कहा कि उनके मन में चल रही बात की पर्ची उनके पास है और वह यह कि वे अपने बेटे की शादी देखना चाहती हैं। इन पक्तियों को लिखे जाने तक भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू भी बागेश्वर धाम पहुँच चुकी हैं। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव और उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल भी वहां जा चुके हैं और धीरेन्द्र शास्त्री की प्रशंसा कर चुके हैं। धीरेन्द्र शास्त्री अपने मंचों से हिन्दू राष्ट्र की वकालत करते रहे हैं। भाजपा इसपर अपनी मुहर तो नहीं लगाती पर उसकी चुनावी राजनीति में ऐसे नारे या भाषण उसको सम्बल ही प्रदान करते हैं। तर्कवादियों की नजर में धीरेन्द्र शास्त्री की विधा सिर्फ एक ढोंग है। 2023 में उनके महाराष्ट्र दौरे के दौरान तर्कवादियों ने उन्हें उनकी सिद्धि को साबित करने की चुनौती दी थी। पर धीरेन्द्र शास्त्री वहां से वापस चले आए और दावा किया कि वो मैदान छोड़कर नहीं भागे बल्कि उनकी वहां से वापस आने का प्लान पूर्व निर्धारित था। पिछले वर्ष गुरुशरण महाराज (पंडोखर सरकार) के विरुद्ध उनके द्वारा कथित रूप से धीरेन्द्र शास्त्री के विरुद्ध आपत्तिजनक बयान देने पर कोर्ट में एक आवेदन दाखिल किया गया था। जाहिर है धीरेन्द्र शास्त्री के बारे में जनता में दो मत है पर फिर भी बहुत से लोग उन्हें सिद्ध पुरुष मानकर उनके दरबार में जाते हैं और अपनी समस्याओं के निराकरण की अपेक्षा रखते हैं।

मेष राशिः आज आपका दिन खुशनुमा पलों से भरा रहेगा। आज परिवार से खुशखबरी मिलेगी। ईश्वर की कृपा से आज आपके सभी काम सफल होंगे। आज आपको अपने काम में ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है। आपको प्रोजेक्ट में अपने कलीग की मदद मिलेगी। आज आपकी किसी रिश्तेदार से फोन पर बात हो सकती है, आपको कुछ नया सुनने को मिलेगा।

वृष राशिः आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। घर खरीदने का विचार कर रहे लोगों के लिए आज का दिन शुभ है। आज आपका मन घरेलू काम काज में लगेगा। आज बॉस आपको किसी नए प्रोजेक्ट पर काम करने को कह सकते हैं। डिप्लोमा की तैयारी कर रहे छात्रों को पढ़ाई करने की जरूरत है। कपड़े का व्यापार कर रहे लोगों का कारोबार अच्छा चलेगा।

मिथुन राशिः आज आपका दिन नई उमंगों के साथ शुरू होने वाला है। आज आपकी सूझ-बूझ से किसी काम में सफलता हासिल होगी। गौ सेवा करने का अवसर मिलेगा। आर्थिक समस्या से परेशान लोगों को राहत मिलेगी। आज आप जीवनसाथी के लिए नई ज्वेलरी खरीद सकते हैं, जीवन में आनंद बढ़ेगा। डॉक्टर्स के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। आज आपका मन शांत व संतुष्ट रहेगा।

कर्क राशिः आज आपका दिन खुशियों से भरा रहने वाला है। आपके दोस्त आपसे मदद की गुहार करेंगे, आप उन्हें निराश नहीं करेंगे। बिजनेस कर रहे लोगों को अच्छा मुनाफा होगा। आज आप शॉपिंग करने का मन बनायेंगे। आज आप अपनी बहन को कुछ गिफ्ट दे सकते हैं, जिससे आपका रिश्ता मजबूत बनेगा। आज आप किसी जरुरी मीटिंग में शामिल होंगे। पिता की सलाह से आपको अपने बिजनेस में काफी मदद मिलेगी।

सिंह राशिः आज आपका दिन शांत रहेगा। आज आपकी मुलाक़ात किसी अजनबी से होगी, जिससे आप जीवन की नई सीख लेंगे। आपकी कड़ी मेहनत से लोग प्रभावित होंगे और आपका अनुसरण करेंगे। आज आप ऑफिस के किसी काम में उलझे रहेंगे। इस राशि के स्टूडेंट्स कॉलेज में कुछ नया सीखेंगे और पढाई की तरफ झुकाव बढ़ेगा। रोज की अपेक्षा आज व्यापार में अच्छा मुनाफा होगा।

कन्या राशिः आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। सिविल इंजीनीयर्स के लिए दिन बेहतरीन रहेगा। स्वास्थ्य समस्या से परेशान लोग आज खुद को बेहतर महसूस करेंगे। जॉब की तलाश कर लोगों को अच्छी जॉब मिलने के योग हैं। दाम्पत्य रिश्ता मजबूत बनेगा, परिवार के साथ क्वालिटी टाइम स्पेंड करेंगे।

तुला राशिः आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज किसी बड़ी कंपनी से आपके लिए जॉब का ऑफर आ सकता है। आज आप नया हुनर सीखेंगे, जो आगे चलकर आपके लिए कारगर साबित होगा। परिवार में किसी सदस्य से आपको अच्छी सलाह मिलेगी। आज आपके घर में मेहमान आ सकते हैं, जिससे घर में खुशनुमा माहौल बना रहेगा।

वृश्चिक राशिः आज आपका दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज आप किसी जरुरी काम से बाहर जा सकते हैं, अपना जरुरी सामान रखना न भूलें। आज आपके बिजनेस में प्रॉफिट होगा। फ्रेंड्स के साथ ट्रिप पर जाने का प्लान बना सकते हैं। आज काम करने से पहले अपने बड़ों का आशीर्वाद लेंगे। रिश्तों में चल रही अनबन से आज आपको छुटकारा मिलेगा।

धनु राशिः आज आपका दिन अनुकूल रहने वाला है। ऑफिस में आज आपको सहयोगियों से मदद मिलेगी। घर से दूर रहकर पढ़ाई कर रहे स्टूडेंट्स आज माता-पिता से मिल सकते हैं। सोशल वर्क कर रहे लोगों के लिए आज का दिन बेहतर रहने वाला है। आज लवमेट कहीं घूमने जा सकते हैं आपके रिश्ते की डोर और मजबूत बनेगी।

मकर राशिः आज का दिन उत्साह से भरा रहने वाला है। आपके व्यापार में बेहतर सुधार आयेगा। पारिवारिक जीवन में हो रही अनबन आज समाप्त होगी, आपके परिवार में खुशियां बढ़ेगी। नर्सिंग कर रहे छात्रों को उनके करियर में सफलता मिलेगी। आज आपके नए दोस्त बनेंगे। आज कार्यक्षेत्र में मेहनत कर रहे लोग सफल होंगे।

कुंभ राशिः आज आपका दिन आपके लिए खुशियां लाने वाला है। परिवार में आपके अच्छे काम की तारीफ़ होगी। महिलाओं के लिए आज का दिन बेहद ख़ास रहने वाला है। आज आपके पास बिजनेस को आगे बढ़ाने का अच्छा मौका है। कम्पटीशन की तैयारी कर रहे छात्रों को तैयारी जारी रखनी चाहिए।

मीन राशिः आज आपका दिन बेहद खुशहाल रहने वाला है। आज अपने बिजनेस को आगे बढ़ाने की नयी योजना बनायेंगे, जिससे आपकी कामयाबी आसमान की बुलंदियों पर होगी। आपकी मुलाकात बचपन के किसी दोस्त से होगी, आपकी पुरानी यादें ताज़ा होंगी। आमोद-प्रमोद में आपका ज्यादा मन लगेगा।

क्यों क्रूर बदमाशी का रूप ले रही है रैगिंग?

प्रियंका सौरभ

रैगिंग को अक्सर एक संस्कार के रूप में प्रस्तुत किया जाता है जो नए छात्रों को उच्च शिक्षा संस्थानों में परिसर में जीवन को समायोजित करने में सहायता करता है। हालाँकि जूनियर कैंपस के रीति-रिवाजों को सीख सकते हैं और वरिष्ठों के साथ सकारात्मक बातचीत के माध्यम से एक सहायक समुदाय बना सकते हैं, लेकिन जब इसके परिणामस्वरूप उत्पीड़न, अपमान और हिंसा होती है, तो रैगिंग एक बड़ी समस्या बन जाती है। इन घटनाओं में लंबे समय तक चलने वाले आघात का कारण बनने की क्षमता होती है, जो एक स्वागत योग्य और समावेशी परिसर समुदाय को बढ़ावा देने के लक्ष्य को विफल कर देगा। हालाँकि रैगिंग से छात्रों को जुड़ने और एकीकृत होने का मौका मिलना चाहिए, लेकिन यह अक्सर एक हानिकारक उत्पीड़न में बदल जाता है। उत्पीड़न के कारण रैगिंग एक सहायक वातावरण को बढ़ावा देने के बजाय हिंसक व्यवहार से जुड़ा हुआ है, जो दोस्ती के बजाय डर को बढ़ावा देता है। केरल के कोट्टायम नर्सिंग कॉलेज और तिरुवनंतपुरम के करियावट्टम कॉलेज जैसी कई दुखद घटनाओं ने रैगिंग के हानिकारक प्रभावों की ओर ध्यान आकर्षित किया है और परंपरा के रूप में रैगिंग के भयावह पहलू को उजागर किया है। भारतीय उच्च शिक्षा संस्थानों में कई वर्षों से, रैगिंग एक गंभीर प्रकार की बदमाशी और उत्पीड़न की समस्या रही है, जिसके परिणामस्वरूप अक्सर मनोवैज्ञानिक आघात, आत्महत्या और यहाँ तक कि हत्या जैसे हिंसक अपराध भी होते हैं। सुप्रीम कोर्ट के आदेशों और 2009 से यूजीसी के एंटी-रैगिंग नियमों के बावजूद घटनाएँ जारी हैं। 2012 और 2023 के बीच रैगिंग के परिणामस्वरूप 78 छात्रों की मृत्यु से प्रवर्तन में विफलता उजागर हुई। भारतीय उच्च शिक्षा संस्थानों में, रैगिंग मुख्य रूप से सामाजिक-सांस्कृतिक कारकों के कारण होती है। भारतीय सामाजिक संरचनाओं द्वारा सुदृढ़ कठोर पदानुक्रम में वरिष्ठ छात्र कनिष्ठों पर अपना प्रभुत्व जताते हैं। यह इंजीनियरिंग कॉलेजों में शक्ति-आधारित सामाजिक व्यवस्था को मजबूत करता है जब वरिष्ठ जूनियर से अपमानजनक कार्य करवाते हैं। आक्रामकता का महिमामंडन करने वाली अति-पुरुषवादी संस्कृति छात्रों को रैगिंग की परंपराओं का पालन करने के लिए मजबूर करती है। मेडिकल स्कूलों में छात्रों को लचीलापन बनाने के नाम पर धीरज-आधारित असाइनमेंट पूरा करने के लिए मजबूर किया जाता है। कई उच्च शिक्षा संस्थान अत्यधिक हिंसा होने तक हस्तक्षेप को हतोत्साहित करते हैं क्योंकि वे रैगिंग को एक दीक्षा अनुष्ठान के रूप में देखते हैं। जादवपुर विश्वविद्यालय (2023) में रैगिंग को बॉन्डिंग प्रक्रिया के रूप में लिखा गया था, जिसके परिणामस्वरूप एक छात्र की असामयिक मृत्यु हो गई। प्रतिशोध का डर, प्रभावी गवाह सुरक्षा की कमी और सामाजिक कलंक पीड़ितों को रैगिंग की रिपोर्ट करने से अनिच्छुक बनाते हैं। 2009 में, अमन काचरू ने पहले शिकायत दर्ज नहीं की क्योंकि वह वरिष्ठ प्रतिशोध से डरता था, भले ही उसके साथ बार-बार दुर्व्यवहार किया गया हो। साथियों का दबाव या इसके बारे में संदेह कई छात्रों को रैगिंग की रिपोर्ट करने से रोकता है। रैगिंग को प्रभावी ढंग से समाप्त करने के लिए सख्त और त्वरित दंड आवश्यक है। संभावित रैगर्स को हतोत्साहित करने के लिए, सुनिश्चित करें कि तत्काल अनुशासनात्मक उपाय किए जाएँ, जैसे निष्कासन, कानूनी मुकदमा और अपराधी को ब्लैकलिस्ट करना। कठोर समाधान समयसीमा और खुली निगरानी के साथ एक निजी ऑनलाइन शिकायत पोर्टल स्थापित करें। पारदर्शी जवाबदेही के साथ विश्वविद्यालय अनुदान आयोग हेल्पलाइन का एक नया संस्करण आवश्यक है क्योंकि वर्तमान हेल्पलाइन पर्याप्त तेजी से प्रतिक्रिया नहीं देती है। अनिवार्य कार्यशालाओं, संवेदनशीलता अभियानों और मेंटरशिप कार्यक्रमों को लागू करके सकारात्मक वरिष्ठ-जूनियर सम्बंधों को प्रोत्साहित करें और दृष्टिकोण बदलें। एम्स दिल्ली रैगिंग के मामलों को कम करता है और नए छात्रों को परामर्श सत्र देकर एक सहायक संस्कृति को बढ़ावा देता है। संभावित मुद्दों को अधिक गंभीर होने से पहले पहचानने के लिए व्यवहार ट्रैकिंग, सरप्राइज चेक और छात्रावासों में सीसीटीवी गाने का उपयोग करें। आईआईटी मद्रास ने बातचीत की निगरानी के लिए सीसीटीवी और छात्र प्रोफ़ाइलिंग का उपयोग करके रैगिंग की घटनाओं की संख्या में उल्लेखनीय कमी की है। एक संगठित मेंटरशिप कार्यक्रम स्थापित करें जहाँ वरिष्ठ नए कर्मचारियों की सकारात्मक तरीके से मदद करने के लिए नेतृत्व प्रमाणपत्र या अकादमिक क्रेडिट प्राप्त कर सकें। वरिष्ठ छात्र बिट्स पिलानी के बडी सिस्टम के माध्यम से जूनियर का मार्गदर्शन करते हैं, जो बदमाशी के बजाय रचनात्मक सम्बंधों को बढ़ावा देता है। नए छात्रों के लिए सुरक्षित और मैत्रीपूर्ण वातावरण की गारंटी देने के लिए व्यवहार सम्बंधी आकलन को उच्च शिक्षा संस्थानों की प्रणालियों में शामिल किया जाना चाहिए। सक्रिय अवलोकन संभावित खतरों के बारे में जानकारी प्रकट कर सकता है। संगठित सलाह कार्यक्रमों का समर्थन उपचार में सहायता कर सकता है। रैगिंग की समस्या का कोई एकल, सार्वभौमिक रूप से लागू समाधान नहीं है। शैक्षणिक संस्थानों, छात्रों और बड़े पैमाने पर समाज के लिए एक सुरक्षित और देखभाल करने वाला वातावरण स्थापित करने के लिए मिलकर काम करना महत्त्वपूर्ण है। रैगिंग को ख़त्म करने के लिए, एक बहुआयामी रणनीति, कठोर कानूनी प्रवर्तन, गुमनाम रिपोर्टिंग प्रणाली और त्वरित दंडात्मक कार्यवाही की आवश्यकता है। मजबूत सलाह नेटवर्क, आवश्यक संवेदीकरण कार्यक्रम और दयालु सहकर्मी बातचीत को प्रोत्साहित करना निरोध के अलावा अन्य तरीकों से परिसर की संस्कृति को बदल सकता है। संस्थागत जवाबदेही और प्रौद्योगिकी-संचालित निगरानी यह गारंटी देगी कि उच्च शिक्षा संस्थान भय के बजाय सुरक्षा, समावेशिता और समग्र विकास के स्थान हैं। यूजीसी को उन संस्थानों के खिलाफ खंड 9.4 का उपयोग करना चाहिए जो अनुपालन नहीं करते हैं। अपराधियों को कड़ी सजा मिले, इसकी गारंटी के लिए फास्ट-ट्रैक ट्रायल और पुलिस सत्यापन ज़रूरी है।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

चैंपियन ट्राफी के फाइनल में इंडिया-आस्ट्रेलिया हो सकते हैं आमने-सामने

» भारत, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड पहले ही पहुंच चुके हैं सेमीफाइनल में

आज इंग्लैंड-साउथ अफ्रीका के बीच होगा सेमीफाइनल का मुकाबला

नई दिल्ली । आईसीसी चैंपियन ट्राफी 2025 के तीन टीमें सेमीफाइनल में पहुंच चुकी हैं, जबकि चौथी टीम आज होने वाले मैच पर तय होगी। टीम इंडिया के बाद न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया ने सेमीफाइनल्स के लिए क्वॉलिफाई कर लिया है। चौथी टीम साउथ अफ्रीका हो सकती है। साउथ अफ्रीका को सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए जीत जरुरी नहीं। ऐसे में कहा जा सकता है कि वर्ल्ड कप 2023 जैसे स्थिति बन सकती है और चैंपियंस ट्रॉफी का फाइनल भी टीम इंडिया और ऑस्ट्रेलिया के बीच हो सकता है। बता दें वर्ल्ड कप 2023 की सेमीफाइनल्स इंडिया, ऑस्ट्रेलिया, साउथ अफ्रीका और न्यूजीलैंड की टीमों के बीच हुआ था। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भी यही चार टीमें सेमीफाइनल में पहुंचने वाली हैं, जिनमें से भारत, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड पहले ही पहुंच चुकी हैं, जबकि साउथ अफ्रीका की टीम को अगर इंग्लैंड के खिलाफ जीत मिलती है तो साउथ अफ्रीका टीम सेमीफाइनल में पहुंच जाएगी और अगर इंग्लैंड के खिलाफ साउथ अफ्रीका की टीम मैच हार भी जाती है तो भी सेमीफाइनल खेलेगी। इसके लिए साउथ अफ्रीका को अगर इंग्लैंड ने 300 रन बनाए तो 207 या इससे ज्यादा रनों से हार नहीं मिलनी चाहिए। इसके अलावा अगर साउथ अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी की और 300 रन बनाए तो इंग्लैंड को 11.1 ओवर में उस टारगेट को चेज नहीं करने देना चाहिए। अगर इससे बच जाती है और साउथ अफ्रीका की टीम मुकाबला हार भी जाती है तो भी सेमीफाइनल में पहुंच जाएगी, क्योंकि साउथ अफ्रीका के तीन पॉइंट रहेंगे और अफगानिस्तान से उसका नेट रन रेट बेहतर रहेगा। माना जा रहा है कि इंडिया और ऑस्ट्रेलिया के बीच चैंपियंस ट्रॉफी का फाइनल हो सकता है। अगर पहला सेमीफाइनल इंडिया और साउथ अफ्रीका के बीच होता है और दूसरा सेमीफाइनल ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के बीच और दोनों टीमें अपने सेमीफाइनल्स जीत जाएं तो फिर फाइनल में दोनों का मुकाबला हो सकता है। अगर साउथ अफ्रीका ने इंग्लैंड को हरा दिया तो फिर ऑस्ट्रेलिया की टीम ग्रुप बी में दूसरे पायदान पर होगी, जबकि इंडिया ने न्यूजीलैंड को हरा दिया तो भारत की टीम ग्रुप ए में नंबर वन होगी। ऐसे में इन दोनों के बीच सेमीफाइनल खेला जाएगा।

शमी खतरनाक गेंदबाज, हमेशा विकेटकीपरों को चुनौती देने का ढूंढते हैं तरीका

केएल राहुल ने किया खुलासा, कीपिंग के अनुभव किए साझा

दुबई । भारत के विकेटकीपर और बल्लेबाज केएल राहुल ने न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी मुकाबले से पहले मोहम्मद शमी और जसप्रीत बुमराह में से खरतनाक कौन? वाले सवाल का जवाब दिया है। बुमराह चोट के कारण चैंपियंस ट्रॉफी में नहीं खेल रहे हैं। उनकी जगह अर्शदीप सिंह को मौका मिला है। इस दौरान टीम इंडिया के लिए तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी प्रभावी प्रदर्शन कर रहे हैं। मोहम्मद शमी का न्यूजीलैंड के खिलाफ प्रदर्शन शानदार रहा है। वह न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी मैच में काफी प्रभावी साबित हो सकते हैं। इस बीच राहुल ने शमी के सामने कीपिंग के अपने अनुभव और चुनौतियों को साझा किया है। राहुल ने खुलासा किया कि मोहम्मद शमी हमेशा विकेटकीपरों को चुनौती देने का एक तरीका ढूंढते हैं, अक्सर उन्हें फुल-लेंथ डाइव लगाने के लिए मजबूर करते हैं। राहुल ने बुमराह से ज्यादा शमी को तवज्जो दी है और कहा कि विकेटकीपिंग के दौरान शमी के खिलाफ मुश्किल बात यह है कि हर खेल में किसी न किसी तरह वह यह तय करते हैं कि मैं पूरी लंबाई में गोता लगाऊं और फिर वह मुझे स्टंप के पीछे शानदार प्रदर्शन करने या कभी-कभी बेवकूफ दिखने के एक या दो मौके देते हैं। उन्होंने कहा कि शमी, बुमराह के साथ मिलकर प्रभाव पैदा करते हैं। राहुल ने हाल के नेट सत्र को याद किया जहां शमी की तेज गति ने उन्हें आश्चर्यचकित कर दिया था। उन्होंने कहा कि अभी हाल ही में नेट पर शमी ने मुझे सीधे बैज पर मारा। इसलिए ये सभी चीजें उसे एक बहुत ही मुश्किल गेंदबाज बनाती हैं जिसके खिलाफ खेलना बहुत मुश्किल है। राहुल ने कहा कि बुमराह दूसरे या तीसरे स्पैल में शानदार गेंदबाजी करते हैं। उन्होंने कहा कि मुझे नहीं पता कि इसका किसी चीज से क्या लेना-देना है, लेकिन वह स्टंप के पीछे भी गेंद को डगमगाते हैं। इसलिए यह बहुत चुनौतीपूर्ण है। अपने प्राकृतिक सीम मूवमेंट से परे, राहुल ने शमी की सटीकता और तीक्ष्णता पर जोर दिया, ऐसे पहलू जिनकी अक्सर सराहना नहीं की जाती है। राहुल ने तारीफ करते हुए कहा कि हर कोई इस बारे में बात करता है कि शमी कितना प्रतिभाशाली है, वह किसी भी परिस्थिति में गेंद को सीम कैसे करा सकता है और उसकी सीम कितनी सीधी है, लेकिन बहुत से लोग इस बारे में बात नहीं करते हैं कि वह कितना सटीक है और कितना तेज है।

पसंदीदा कवर ड्राइव से पारी को नियंत्रित करते हैं विराट

दुबई । भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने कहा है कि कवर ड्राइव उनका पसंदीदा शॉट है । कोहली के अनुसार इस शॉट से वह पारी को नियंत्रित भी कर पाते हैं हालांकि कभी-कभी ये नुकसान देह भी रहा है। कोहली ने पाकिस्तान के खिलाफ चैम्पियंस ट्रॉफ में शतक के दौरान भी कई कवर ड्राइव लगाये थे। कोहली ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा पोस्ट किए एक वीडियो में कहा कि ये एक कठिन स्थिति है। ये कवर ड्राइव पिछले कुछ साल में मेरी कमजोरी रहा है हालांकि इसी शॉट से उन्होंने काफी रन भी बनाये हैं। ,कोहली ने कहा, ''क्योंकि जब मैं इस तरह के शॉट लगाता हूं तो मैं क्रीज पर बल्लेबाजी करते समय नियंत्रण महसूस करता हूं। इसलिए पाक के खिलाफ खेली गयी पारी मेरे लिए व्यक्तिगत रूप से एक अच्छी पारी थी"। उन्होंने कहा कि तीसरे नंबर पर उनकी भूमिका पिछले कुछ साल में बदलाव रहित रही है। एक बात जो मैंने हमेशा तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते समय सोची है, वह है जोखिम को कम करना और यह तय करना कि मैं अपनी टीम को जीत की स्थिति में बनाये रखूं। विराट जब पाकिस्तान के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी के मैच में जब शतक लगाने के करीब थे, तो उनके साथ दूसरे छोर पर खड़े अक्षर पटेल इस बात का हिसाब लगा रहे थे कि किस प्रकार खेला जाये जिससे विराट शतक तक पहुंच पायें।

विश्व कप क्वालीफायर के लिए ब्राजील की प्रारंभिक टीम में शामिल हुए नेमार

रियो डी जेनेरियो । नेमार को कोलंबिया और अर्जेंटीना के खिलाफ विश्व कप क्वालीफायर के लिए ब्राजील की प्रारंभिक टीम में शामिल किया गया है। ब्राजील फुटबॉल परिसंघ (सीबीएफ) ने शुक्रवार को उक्त जानकारी दी। 33 वर्षीय खिलाड़ी ने अक्टूबर 2023 में मोंटेवीडियो में उरुग्वे के खिलाफ विश्व कप क्वालीफायर के दौरान अपने बाएं घुटने में एंटीरियर क्रूसिएट लिगामेंट के फटने के बाद से अपने देश का प्रतिनिधित्व नहीं किया है। लंबी रिकवरी प्रक्रिया के बाद, नेमार ने जनवरी में अल-हिलाल से बचपन के क्लब सैंटोस में शामिल होने के बाद से अपने सर्वश्रेष्ठ फॉर्म की झलक दिखाई है। ब्राजील के मैनेजर डोरिवल जूनियर ने रियल बेटिस के विंगर एंटनी, किशोर रियल मैड्रिड के फॉरवर्ड एंड्रिक और एटलेटिको मैड्रिड के सैमुअल लिनो को भी टीम में शामिल किया है, जबकि अनुभवी मिडफील्डर ऑस्कर और साओ पाउलो के साथी लुकास मौरा को भी टीम में शामिल किया है। जैसा कि अपेक्षित था, 52 सदस्यीय सूची में रियल मैड्रिड के हमलावर विनीसियस जूनियर और रोड्रिगो, न्यूकैसल के प्रवर्तक ब्रूनो गुइमारेस और बार्सिलोना के विंगर राफिन्हा शामिल हैं। ब्राजील 20 मार्च को ब्रासीलिया में कोलंबिया से और पांच दिन बाद ब्यूनस आयर्स में अर्जेंटीना से भिड़ेगा। पांच बार का विश्व चैंपियन ब्राजील वर्तमान में 10 टीमों के दक्षिण अमेरिकी समूह में 12 क्वालीफायर से 18 अंकों के साथ पांचवें स्थान पर हैं, जो लीडर अर्जेंटीना से सात अंक पीछे है।

प्राग मास्टर्सः प्रज्ञानानंद ने दाई वैन को हराकर दर्ज की पहली जीत

प्राग । भारतीय ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंद ने शुक्रवार को प्राग मास्टर्स के तीसरे दौर में चेक गणराज्य के गुयेन थाई दाई वान के खिलाफ शानदार जीत दर्ज की। यह जीत उनके लिए बेहद महत्वपूर्ण रही, क्योंकि पहले दो राउंड में उन्हें ड्रॉ से संतोष करना पड़ा था। खेल निम्जो-भारतीय रक्षा से शुरू हुआ, जिसमें प्रज्ञानानंद ने रणनीतिक बढ़त बनाई। 14वीं चाल में ही उन्हें निर्णायक बढ़त मिल गई, जिसके बाद उन्होंने आसानी से मैच पर नियंत्रण स्थापित कर लिया। हालांकि, बीच के कुछ क्षणों में थोड़े उतार-चढ़ाव आए, लेकिन परिणाम पर कोई संदेह नहीं था। मध्य खेल में दाई वान रक्षात्मक स्थिति में थे, बावजूद इसके कि उनके पास अतिरिक्त मोहरा था। भारतीय ग्रैंडमास्टर ने सूझबूझ और सटीकता से खेलते हुए स्थिति को अपने पक्ष में कर लिया। उन्होंने मामूली पीस के बदले रूक प्राप्त किया और अंततः तकनीकी उत्कृष्टता से जीत सुनिश्चित की। मैच के बाद अपने प्रदर्शन पर बोलते हुए प्रज्ञानानंद ने कहा, "पहले राउंड में कुछ खास नहीं था, मेरी स्थिति अच्छी थी। लेकिन आज की जीत मेरे लिए महत्वपूर्ण थी और इससे मेरा आत्मविश्वास बढ़ा है।" इस जीत के साथ प्रज्ञानानंद टूर्नामेंट में मजबूती से आगे बढ़ रहे हैं और खिताब के प्रबल दावेदार माने जा रहे हैं।

व्यापार

सेंसेक्स और निफ्टी में लगभग तीन फीसदी की गिरावट रही

» सेंसेक्स 1,414 अंक गिरकर 73,198.10 पर बंद
» निफ्टी भी 420 अंक गिरकर 22,124.70 पर बंद

मुंबई । उपभोक्ता मांग में नरमी और टैरिफ खतरों की चिंताओं के बीच अमेरिकी व वैश्विक बाजारों में कमजोरी और वैश्विक बाजारों में जारी बिकवाली की वजह से बीते सप्ताह साप्ताहिक आधार पर सेंसेक्स और निफ्टी में लगभग तीन फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। महाशिवरात्रि के पर्व के अवसर पर बुधवार को शेयर बाजार बंद रहे, इस दिन बीएसई और एनएसई में कारोबार नहीं हुआ। जिसकी वजह से बीते सप्ताह शेयर बाजार में एक दिन कम कारोबार हुआ। सोमवार को भारतीय बेंचमार्क इक्विटी इंडेक्स लगातार पांचवें सत्र के लिए लाल निशान में खुले। सोमवार को बाजार खुलने के बाद सभी क्षेत्रों में बिकवाली देखी गई। इस दौरान सेंसेक्स 733.86 की गिरावट के साथ 74,577.20 पर खुला और 856.65 की गिरावट के साथ 74,454.41 पर बंद हुआ। निफ्टी 50 222.61 अंक गिरकर 22,573.30 पर खुला और 242.56 अंक फिसलकर 22,553.35 के स्तर पर बंद हुआ। मंगलवार को भारतीय बेंचमार्क इक्विटी इंडेक्स हर निशान के साथ खुले। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 117.57 अंक बढ़कर 74,571.98 पर खुला और 147.71 अंक यानी 0.20 प्रतिशत की बढ़त के साथ 74,602.12 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी भी 31.3 अंक की उछाल के साथ 22,584.65 पर खुला और 5.80 अंक फिसलकर 22,547.55 अंक पर बंद हुआ। बुधवार को महाशिवरात्रि की छुट्टी के बाद गुरुवार को घरेलू शेयर बाजार के बेंचमार्क सूचकांक हरे निशान पर खुले। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 231.97 अंक चढ़कर 74,834.09 पर खुला और 10.31 अंक की मामूली बढ़त के साथ 74,612.43 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 65.75 अंक मजबूत होकर 22,613.30 पर खुला और 10.31 अंक की मामूली बढ़त के साथ 74,612.43 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 65.75 अंक मजबूत होकर 22,613.30 पर खुला और 2.50 अंक फिसलकर 22,545.05 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स 1300 अंकों से अधिक क्रैश होकर 73,276.50 अंक पर खुला और 1,414.33 अंक गिरकर 73,198.10 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी-50 भी 400 अंकों का गोता लगाकर 22,138.95 के स्तर पर खुला और 420.35 अंक गिरकर 22,124.70 के स्तर पर बंद हुआ।

लोक लेखा अधिकारी सरकार के वार्षिक खातों को अधिक सरल बनाएं : वित्त मंत्री

नई दिल्ली । केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को सिविल अकाउंट्स सर्विसेज के अधिकारियों से सरकार के वार्षिक खातों को अधिक सुलभ और उपयोगकर्ता के लिए सरल बनाने का आह्वान किया है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण नई दिल्ली में 49वें नागरिक लेखा दिवस के अवसर पर आयोजित समारोह को संबोधित कर रही थीं। इस अवसर पर उन्होंने लेखा महानियंत्रक (सीजीए) की अगुवाई में भारतीय लोक लेखा सेवा (आईसीएएस) के अधिकारियों की ''मौन तकनीकी क्रांति'' के लिए सराहना की, जिसके तहत राज्यों को संचालन में बहुत आसानी हो रही है और सरकारी कामकाज को आसानी से पूरा किया जा रहा है। सीतारमण ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की 1,200 योजनाओं में से 1,100 अब प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) के तहत हैं, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि पैसा सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में भेजा जाए। उन्होंने अपने संबोधन में डीबीटी को बेहतर बनाने में सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली (पीएफएमएस) की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। वित्त मंत्री ने कहा कि 1200 में से 1100 केंद्रीय और राज्य योजनाएं अब डीबीटी के तहत हैं, जिससे बिचौलिए खत्म हो गए हैं। उन्होंने पीएफएमएस की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इसने बिचौलियों को खत्म करके और यह सुनिश्चित करके कि लाभ लक्षित लाभार्थियों तक पहुंचे, सरकार को सीधे वितरण में महत्वपूर्ण मदद की है। सीतारमण ने कहा कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, जहां 140 करोड़ से ज्यादा लोग रहते हैं। यहां हर राज्य की अपनी चुनी हुई सरकार होती है लेकिन सभी वित्तीय व्यवस्थाएं एक साथ जुड़ी हुई हैं और कुशलता से काम कर रही हैं। उल्लेखनीय है कि देश में भारतीय सिविल लेखा सेवा (आईसीएएस) की स्थापना 1976 में सार्वजनिक वित्तीय प्रशासन में महत्वपूर्ण सुधार के तहत की गई थी। भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति ने 1 मार्च, 1976 को केंद्र सरकार के खातों को लेखापरीक्षा कार्यों से अलग करने संबंधी अध्यादेश जारी किए थे। तब से लेखा महानियंत्रक (सीजीए) के नेतृत्व में भारतीय सिविल लेखा सेवा वित्तीय प्रशासन में अग्रणी रहा है।

बैंकिंग प्रणाली में वापस आए 2000 रुपये के 98.18 फीसदी नोट : आरबीआई

मुंबई/नई दिल्ली । रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने शनिवार को कहा कि 2000 रुपये के 98.18 फीसदी नोट बैंकिंग प्रणाली में वापस आ गए हैं। रिजर्व बैंक ने कहा कि अब सिर्फ 6,471 करोड़ रुपये मूल्य के दो हजार रुपये के ऐसे नोट जनता के पास हैं। केंद्रीय बैंक ने कहा कि दो हजार रुपये के नोट वैध मुद्रा बने रहेंगे। आरबीआई ने जारी बयान में बताया कि 19 मई, 2023 तक प्रचलन में मौजूद 2000 रुपये के बैंक नोटों में से 98.18 फीसदी बैंकिंग प्रणाली में वापस आ चुके हैं। रिजर्व बैंक ने कहा कि 19 मई, 2023 को कारोबार बंद होने पर प्रचलन में मौजूद 2000 रुपये के बैंक नोटों का कुल मूल्य 3.56 लाख करोड़ रुपये था, जो 28 फरवरी, 2025 को कारोबार बंद होने पर घटकर 6,471 करोड़ रुपये रह गया है। रिजर्व बैंक के मुताबिक दो हजार रुपये के नोट जमा करने या बदलने की सुविधा 07 अक्टूबर, 2023 तक सभी बैंक शाखाओं में उपलब्ध थी। हालांकि, ये सुविधा अब भी रिजर्व बैंक के 19 निर्गम कार्यालयों में उपलब्ध है। आरबीआई के निर्गम कार्यालय 9 अक्टूबर, 2023 से व्यक्तियों और संस्थाओं से उनके बैंक खातों में जमा करने के लिए 2000 रुपये के बैंक नोट स्वीकार कर रहे हैं। इसके अलावा आम लोग देश के किसी भी डाकघर से भारतीय डाक के जरिए 2000 रुपये के नोट को अपने बैंक खाते में जमा कराने के लिए आरबीआई के किसी भी कार्यालय में भेज सकते हैं। उल्लेखनीय है कि रिजर्व बैंक ने 19 मई, 2023 को 2000 रुपये मूल्य के बैंक नोटों को प्रचलन से वापस लेने की घोषणा की थी। हालांकि, दो हजार रुपये के नोट अब भी वैध मुद्रा बने रहेंगे।

इस सप्ताह 1,036 रुपए सस्ता हुआ सोना, चांदी भी 3,667 रुपए फिसली

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश भर में इस हफ्ते सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के अनुसार 22 फरवरी को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 86,092 रुपए प्रति 10 ग्राम था, जो 1 मार्च को घटकर 85,056 रुपए हो गया। इस हफ्ते सोने के दाम में 1,036 रुपए की गिरावट दर्ज की गई है। चांदी की कीमतों में भी बड़ी गिरावट देखी गई है। पिछले शनिवार को चांदी 97,147 रुपए प्रति किलो थी, जो अब 3,667 रुपए घटकर 93,480 रुपए प्रति किलो पर आ गई है। चांदी ने 23 अक्टूबर 2024 को 99,151 रुपए प्रति किलो के सार्वजनिक स्तर को छुआ था। वहीं दिल्ली में 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 79,550 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 86,770 रुपए, मुंबई में 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 79,400 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 86,620 रुपए, कोलकाता में 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 79,400 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 86,620 रुपए और चेन्नई में 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 79,400 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 86,620 रुपए है। वहीं इस साल यानी 1 जनवरी से अब तक 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 76,162 रुपए से 8,894 रुपए बढ़कर 85,056 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी का भाव भी 86,017 रुपए प्रति किलो से 7,463 रुपए बढ़कर 93,480 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं पिछले साल यानी 2024 में सोना 12,810 रुपए महंगा हुआ था।

फरवरी में मारुति सुजुकी की बिक्री में मामूली बढ़त

नई दिल्ली । देश की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) ने शनिवार को कहा कि फरवरी में उसकी कुल बिक्री सालाना आधार पर मामूली वृद्धि के साथ 1,99,400 इकाई रही। कंपनी ने पिछले साल इसी अवधि में कुल 1,97,471 वाहन बेचे थे। मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) ने जारी एक बयान में कहा कि फरवरी में उसकी कुल बिक्री साल-दर-साल आधार पर मामूली वृद्धि के साथ 1,99,400 इकाई रही। पिछले साल इसी महीने में कंपनी ने कुल 1,97,471 इकाइयां बेची थीं। कंपनी ने बताया कि फरवरी महीने में कुल घरेलू यात्री वाहनों की बिक्री 1,60,791 इकाई रही, जबकि पिछले साल इसी महीने में यह 1,60,271 इकाई थी। ये पिछले साल की समान अवधि की तुलना में मामूली वृद्धि है। एमएसआई ने कहा कि ऑल्टो और एस-प्रेसो सहित मिनी सेगमेंट कारों की बिक्री पिछले साल इसी महीने में 14,782 इकाई के मुकाबले घटकर 10,226 इकाई रह गई। हालांकि, बलेनो, सेलेरियो, डिजायर, इग्निस, स्विफ्ट और वैगनआर समेत कॉम्पैक्ट कारों की बिक्री बढ़कर 72,942 इकाई हो गई, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह 71,627 इकाई थी। इसके अलावा ग्रैंड विटारा ब्रेजा, अर्टिगा, एक्सएल6, जिम्नी जैसे यूटिलिटी वाहनों की बिक्री फरवरी महीने 65,033 इकाई रही जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह 61,234 इकाई थी। वैन ईको की बिक्री फरवरी महीने में 11,493 इकाई रही जबकि फरवरी 2024 में यह 12,147 इकाई थी। हल्के वाणिज्यिक वाहन सुपर कैरी की बिक्री 2,710 इकाई रही जबकि फरवरी 2024 में यह 3,126 इकाई थी। मारुति सुजुकी ने कहा कि फरवरी महीने में उसका निर्यात 25,021 इकाई रहा जबकि पिछले साल इसी महीने में यह 28,927 इकाई था।

रजनीकांत की कुली में पूजा हेगड़े की एंट्री, पहली झलक आई सामने

साउथ सुपरस्टार रजनीकांत की फिल्म कुली बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक हैं. थलाइवा के इस एक्शन थ्रिलर को लोकेश कनगराज ने डायरेक्ट किया है. इस फिल्म में रजनीकांत, नागार्जुन जैसे बड़े कलाकार शामिल हैं. आज, मेकर्स ने एक नए कलाकार की पहली झलक दिखाई है. जी हां, कुली मेकर्स ने फिल्म से साउथ एक्ट्रेस पूजा हेगड़े का फर्स्ट लुक जारी किया है. पूजा हेगड़े का फर्स्ट लुक सोशल मीडिया पर तहलका मचा रहा है. पूजा हेगड़े, लोकेश कनगराज निर्देशित कलाकारों में शामिल हो गई हैं. गुरुवार को सन पिक्चर्स ने अपने एक्स (पूर्व में ट्विटर) अकाउंट पर कुली से पूजा हेगड़े का फर्स्ट लुक जारी किया है, जिसमें वे लोकेश कनगराज निर्देशित फिल्म में अपनी भूमिका का खुलासा करती नजर आ रही हैं. फर्स्ट लुक जारी करते हुए मेकर्स ने कैप्शन में लिखा है, हां, आपने सही अनुमान लगाया. कुली के सेट पूजा हेगड़े. पोस्टर में पूजा हेगड़े को हॉट रेड कलर के कटआउट गाउन में देखा जा सकता है. खुले बाल और बड़े से इयररिंग्स में पूजा काफी खूबसूरत लग रही हैं. उनके इस लुक की हर कोई तारीफ कर रहा है. मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो फिल्म में पूजा हेगड़े किसी स्पेशल सॉन्ग पर परफॉर्म कर सकती हैं. इससे पहले मेकर्स ने रजनीकांत के बर्थडे पर फिल्म से नए गाने चिकिटू का प्रोमो जारी किया था, जिसने फैंस को खुश कर दिया था. प्रोमो शेयर करते हुए मेकर ने कैप्शन में लिखा है, साउंड अह येथू, देवा वरार, सेलिब्रेट सुपरस्टार, कुली की चिकिटू वाइब के साथ सुपरस्टार रजनीकांत का बर्थडे सेलिब्रेशन. कुली की शूटिंग भारत के कई खूबसूरत शहरों में सूट किया गया है. कुली की शूटिंग हैदराबाद से शुरू हुई. इसके बाद विशाखापट्टनम, जयपुर जैसे शहरों में इसे सूट किया गया है. इस बीच मेकर्स ने फिल्म से कास्ट का ऑफिशियल पोस्टर भी जारी किया है. कुली एक एक्शन से भरपूर मनोरंजक फिल्म है जो सोने की तस्करी करने वाले माफिया पर केंद्रित है. रजनीकांत के एक्शन थ्रिलर फिल्म में साउथ सुपरस्टार नागार्जुन, श्रुति हासन, उपेंद्र, सत्यराज, सौबिन शाहिर, संदीप किशन और रेबा मोनिका जॉन जैसे कलाकार मुख्य भूमिकाओं में हैं. रिपोर्ट्स के अनुसार आमिर खान कैमियो रोल में नजर आएंगे.

धनुष ने फैंस को दिया तोहफा, धांसू पोस्टर संग कुबेर की रिलीज डेट अनाउंस

साउथ सुपरस्टार धनुष, नागार्जुन और रश्मिका मंदाना स्टारर कुबेर का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. खासकर कुछ दिन पहले कुबेर की पहली झलक सामने आने के बाद दर्शक इसकी रिलीज डेट का इंतजार कर रहे थे. अब मेकर्स ने ये इंतजार खत्म करते हुए कुबेर की रिलीज डेट अनाउंस कर दी है. साथ ही एक शानदार पोस्टर भी रिलीज किया है. रश्मिका मंदाना ने हाल ही में अपने ट्वीटर अकाउंट पर कुबेर का धांसू पोस्टर रिलीज किया जिसमें धनुष और नागार्जुन को एक दूसरे के सामने इंटेंस लुक में देखा जा सकता है. उनके बीच में जिम सर्भ खड़े हैं जिनके आसपास बिल्डिंग का गोल स्ट्रक्चर है. पोस्टर पर लिखा है, 20 जून 2025 को सिनेमाघरों में, हैप्पी महाशिवरात्रि. रश्मिका ने कैप्शन लिखा, कुबेर 20 जून को रिलीज हो रही है. कुबेर का फर्स्ट लुक गणेश चतुर्थी पर रिलीज किया गया था जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया. फर्स्ट लुक एक टीजर जैसा ही थी जिसमें धनुष और नागार्जुन अलग ही अवतार में नजर आए, दोनों के कैरेक्टर इंटेंस थे वहीं रश्मिका और पद्मावत फिल्म में अपनी एक्टिंग से दिवाना बनाने वाले जिम सर्भ के किरदारों में भी गंभीरता दिखी. फिल्म के पोस्टर्स में धनुष जहां पूरी दाढ़ी और बढ़े हुए बालों के साथ एक नए लुक में नजर आ रहे हैं, वहीं उनके अजीबोगरीब अपीयरेंस ने सभी को यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि फिल्म किस बारे में होगी. दूसरी ओर नागार्जुन अक्किनेनी के किरदार में भी नयापन है. देखना दिलचस्प होगा कि फिल्म में क्या होने वाला है. कुबेर में धनुष, रश्मिका और नागार्जुन के साथ दिलीप ताहिल भी खास रोल में हैं. फिल्म को शेखर कम्मुला के साथ एमिगोस क्रिएशन ने प्रोड्यूस किया है वहीं म्यूजिक देवी श्री प्रसाद ने दिया है. इसका निर्देशन शेखर कम्मुला ने किया है.

शॉर्ट ड्रेस पहन अनन्या पांडे ने शेयर किया ग्लैमरस लुक, एक्ट्रेस की कातिल अदाएं देख फैंस के उड़े होश

बॉलीवुड एक्ट्रेस अनन्या पांडे हमेशा अपने फैशन स्टेटमेंट्स से सभी फैंस का ध्यान अपनी ओर खींचती रहती हैं। उनका बोल्ड और कातिलाना अवतार इंटरनेट पर आते ही तबाही मचाने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस अनन्या पांडे ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं। इन तस्वीरों में उनका किलर लुक देखकर फैंस बेकाबू हो गए हैं। एक्ट्रेस अनन्या पांडे आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा कर अक्सर सभी फैंस का ध्यान अपनी ओर खींच लेती है। वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगती हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें शेयर कर फैंस को दीवाना बना दिया है। इन फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस अनन्या पांडे कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक हॉट पोज देते हुए सोशल मीडिया का तापमान बढ़ा रही हैं। बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर लाइक्स और कॉमेंट्स करते नहीं थकते हैं। इन फोटोज में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है। एक यूजर ने एक्ट्रेस की इन फोटोज पर कॉमेंट करते हुए लिखा है- टू मच हॉट। दूसरे यूजर ने लिखा है- स्टनिंग। तीसरे यूजर ने लिखा है- अमेजिंग एंड स्टनिंग। अनन्या पांडे की लेटेस्ट फोटोशूट कराई गई फोटोज में आप देख सकते हैं, उन्होंने व्हाइट कलर की स्टाइलिश शॉर्ट स्कर्ट और साथ ही शर्ट पहनी हुई है, जिसमें वो बेहद ही ग्लैमरस नजर आ रही हैं।

मैं तमिल लड़की नहीं हूं, लेकिन आपने जो प्यार मुझ पर बरसाया है, वह अमूल्य हैः कयादु लोहार

निर्देशक अश्वथ मारीमुथु की हाल ही में रिलीज़ हुई फ़िल्म ड्रैगन से तमिल सिनेमा में डेब्यू करने वाली अभिनेत्री कायादु लोहार फ़िल्म रिलीज़ होने के बाद से ही दर्शकों से मिल रहे प्यार से अभिभूत हैं। वास्तव में, इंस्टाग्राम पर अभिनेत्री की टाइमलाइन इतनी प्रशंसात्मक टिप्पणियों और संपादनों से भर गई है कि अभिनेत्री ने अब इंस्टाग्राम पर एक वीडियो क्लिप डाली है, जिसमें उन्होंने अपने सभी प्रशंसकों को उनके प्यार के लिए धन्यवाद दिया है, जिसे वह अमूल्य कहती हैं। दिलचस्प बात यह है कि उन्होंने इस वीडियो क्लिप में तमिल और तेलुगु में बात की है। कयादु लोहार ने कहा मुझे नहीं पता कि कहां से शुरू करूं। पल्लवी, ड्रैगन और मुझे जो प्यार मिला है, उसने मुझे अभिभूत कर दिया है। चाहे वह सिनेमाघरों में आपकी सीटियां हों या आपके टैग, या इंस्टाग्राम पर स्टोरीज या खूबसूरत कमेंट्स, मैं खुशी से भर गया हूं। मैं तमिल लड़की नहीं हूं। मैं भाषा अच्छी तरह से नहीं बोल सकती। लेकिन आपने जो प्यार मुझ पर बरसाया है, वह अमूल्य है। मुझे विश्वास है कि मैं अपनी फिल्मों के माध्यम से आप सभी के इस प्यार का बदला चुकाऊंगा और आप सभी को गौरवान्वित करूंगा। ड्रैगन, जिसे गैर-नाट्य प्रदर्शनों से अर्जित धन के कारण रिलीज से पहले ही सफल घोषित कर दिया गया था, ने बहुत मजबूत शुरुआत की है तथा मात्र तीन दिनों में 50 करोड़ रुपये की कमाई कर ली है। कल्पति एस अघोरम, कल्पति एस गणेश और कल्पति एस सुरेश द्वारा निर्मित इस फिल्म में प्रदीप रंगनाथन ने अनुपमा परमेश्वरन और कयादु लोहार के साथ मुख्य भूमिका निभाई थी। फिल्म का संगीत लियोन जेम्स ने दिया था और छायांकन निकेत बोम्मी ने किया था। फिल्म का संपादन प्रदीप ई.राघव ने किया था और स्टंट विक्की और दिली सुब्बारायन ने किए थे। फिल्म की कहानी अश्वथ मरीमुथु और प्रदीप रंगनाथन ने मिलकर लिखी थी जबकि संवाद और पटकथा अश्वथ मरीमुथु ने लिखी थी। फिल्म का सह-निर्देशन रमेश नारायणन ने किया था और वेशभूषा दिनेश मनोहरन और प्रवीण राजा ने तैयार की थी।

MGCU Students Shine in UGC NET, 33 Qualify, 2 Secure JRF

Motihari: In yet another remarkable academic feat, 33 students from Mahatma Gandhi Central University (MGCU) have successfully cleared the UGC NET December 2024 examination. This outstanding performance reinforces MGCU's reputation as an emerging center of academic and research excellence. Among these achievers, Manavi Bhargava (Department of Commerce) and Richa Kumari (Department of English) have secured the prestigious Junior Research Fellowship (JRF), marking a significant milestone in their academic journeys. The Department of English has emerged as the top performer in the UGC NET December 2024 results at Mahatma Gandhi Central University (MGCU), with an impressive 11 students qualifying for the prestigious examination. This remarkable achievement highlights the department's strong academic foundation and commitment to fostering excellence in literature and research. Following closely, the Department of political science has secured 6 successful candidates, demonstrating the university's growing strength in social sciences and governance studies. The Department of Management Science, known for its focus on business and economic research, has also made a significant mark with 5 students qualifying, further reinforcing MGCU's multidisciplinary academic prowess. In terms of gender representation, the results reflect an encouraging trend towards inclusivity, with 14 female students and 19 male students successfully clearing the examination. Additionally, 14 students have qualified for Assistant Professorship, while an impressive 19 students have secured eligibility for Ph.D. admissions, underscoring MGCU's emphasis on advanced research and higher education.

Hon'ble Vice-Chancellor's Message

Congratulating the students on their phenomenal success, Hon'ble Vice-Chancellor, Prof. Sanjay Srivastava, stated: "The exceptional performance of our students in UGC NET December 2024 reflects MGCU's unwavering commitment to academic excellence and research. Their dedication and perseverance, coupled with the invaluable guidance provided by our esteemed faculty, have culminated in this significant achievement. Special congratulations to our JRF awardees, Manavi and Richa, who have set a high standard for research aspirations. MGCU takes immense pride in nurturing talent, and this success serves as an inspiration for future scholars."

Voices of Success: JRF Awardees Speak

Expressing her joy, Manavi Bhargava (Department of Commerce) shared: "Clearing NET with JRF is a dream come true. I am deeply grateful to MGCU for its outstanding academic environment and the constant support of my professors. This achievement has given me the confidence to pursue higher research and contribute to the field of commerce."

Similarly, Richa Kumari (Department of English) expressed: "Securing JRF is a proud moment for me and my family. The Department of English at MGCU has played a crucial role in shaping my academic journey. I extend my heartfelt thanks to my mentors and peers who have been an integral part of my success." The Deans, Heads of Departments, and faculty members have extended heartfelt congratulations to the students, recognising their hard work and commitment. This achievement brings immense pride to MGCU and solidifies its reputation as an institution dedicated to fostering intellectual excellence and research-oriented learning.

The moment Trump-Zelenskyy meet descended into chaos, JD Vance lit the fuse

Agency: Plates of spring green salad and rosemary roasted chicken went untouched and a joint press conference was scrapped as the meeting between US President Donald Trump and Volodymyr Zelenskyy descended into chaos on Friday, leading to the Ukrainian leader being asked to leave the White House. The meeting started on a good note, with handshakes and smiles between the two leaders. However, all hell broke loose when Vice President JD Vance interjected to answer a question about Trump's support for Russia. The initial 30 minutes of the meeting saw cordial talks and formalities, with Trump tom-toming on how the Russia-Ukraine war would never have happened if he had been the president. The mood began to turn when Trump began to shift the blame for the war to Ukraine, when it was Russia that had invaded the country in 2022. However, the dam broke when Vance, who has mostly been silent in White House meetings between Trump and other world leaders, interjected when a reporter asked Trump if he was "aligned" with Russia's Putin.

"For four years in the US, we had a president who stood up at press conferences and talked tough about Vladimir Putin, and Putin invaded Ukraine and destroyed a significant chunk of the country. The path to peace and the path to prosperity is maybe engaging in diplomacy," Vance said. It was here that the meeting appeared to unravel. As Vance suggested that diplomacy was the way forward to ending the war, a visibly irate Zelenskyy argued that Putin was unreliable and pointed to the ceasefire deal signed in 2015 after Russia annexed Crimea. "He (Putin) occupied our parts, big parts of Ukraine, part of East and Crimea... nobody stopped him. He just occupied and took. He killed people, you know?" Zelensky said. At this point, the tone of the Ukrainian President started to get tense as he continued to give the Vice President a history lesson.

"But after that he broke the ceasefire, he killed our people and he didn't exchange prisoners. We signed the exchange of prisoners, but he didn't do it. What kind of diplomacy, JD, you are speaking about? What do you mean?" Zelensky further said. Vance shot back, "I am talking about the kind of diplomacy that's going to end the destruction of your country."

As tempers started to flare, Vance raised his voice, accusing Zelenskyy of being "disrespectful" to Trump, who was trying to end the three-year-old conflict. "I think it's disrespectful for you to come to the Oval Office and try to litigate this in front of the American media. You guys are going around and forcing conscripts to the front lines because you have manpower problems. You should be thanking the president," Vance said.

It proved to be the tipping point as Zelenskyy, folding his arms, adopted a more combative tone. "Have you been to Ukraine? Did you see what problems we have?" Zelensky responded.

MK Stalin calls all-party meet amid delimitation, 3-language row, BJP to boycott

Agency: Tamil Nadu Chief Minister MK Stalin has called for an all-party meeting on March 5, inviting as many as 45 political parties, to discuss concerns surrounding the proposed Lok Sabha delimitation exercise and the three-language policy. However, the BJP has announced its decision to boycott the meeting, citing strong objections. BJP leaders stated that their decision came after thorough deliberation. "We have sent a detailed letter to the Chief Minister explaining our reasons for not participating in the meeting. The letter from Stalin raised multiple questions regarding delimitation and the three-language policy, and we have provided our responses while also posing counter-questions," a BJP leader said. Questioning the premise of the Chief Minister's concerns, the BJP asked, "On what basis are you claiming that Tamil Nadu's parliamentary seats will be reduced? Who provided this information? If the source is disclosed, we are open to reconsidering our stance".

Meanwhile, the Tamil Nadu BJP has announced a statewide signature campaign advocating for the implementation of a third language in the state's educational curriculum. Scheduled to commence on March 5, the campaign will collect both electronic and physical signatures in support of the initiative. Tamil Nadu BJP chief Annamalai also said that final report of the campaign will be submitted to the President. Notably, the All India Anna Dravida Munnetra Kazhagam (AIDMK), the principal opposition in Tamil Nadu, will attend the all-political party meeting convened by the Dravida Munnetra Kazhagam (DMK) government. AIADMK general secretary Edappadi K Palaniswami has said that two representatives from the party would take part in the meeting in Chennai and would explain in detail the party's stand. BJP's ally, the Pattali Makkal Katchi (PMK), too, has announced to take part in the crucial meeting. A majority of political parties in Tamil Nadu are apprehensive that the parliamentary constituency delimitation exercise would reduce the seats in the state. Most political parties in Tamil Nadu believe that the parliamentary constituency delimitation process could lead to a reduction in the state's representation in the Lok Sabha. Stalin, who celebrated his 72nd birthday today, has alleged that the proposed delimitation exercise could lead to a reduction in the state's Lok Sabha representation. According to him, the number of seats would drop from the current 39 to 31, resulting in a loss of eight parliamentary constituencies from the southern state.

Ensure free movement on all Manipur roads from March 8: Amit Shah's big order

Agency: Union Home Minister Amit Shah chaired a high-level meeting in New Delhi to review the security situation in Manipur on Saturday. During the meeting, he instructed the officials to ensure free movement of people on all roads in Manipur from March 8. He also ordered strict action against anyone attempting to create obstructions. "Free movement must be ensured for people on all roads in Manipur from March 8, and strict action be taken against anyone attempting to create obstructions. " The Union government remains fully committed to restoring lasting peace in Manipur and providing all necessary assistance in this regard", Amit Shah said in the meeting. To enhance border security, he stressed the need to speed up the fencing work on both sides of the designated entry points along Manipur's international border. "Strict action should continue to be taken in all cases of extortion. Fencing work on both sides of the designated entry points along Manipur's international border should be completed at the earliest," the Home Minister said. He added that the entire network involved in the drug trade should be dismantled to make Manipur drug free. Amit Shah on Saturday reviewed the security situation in Manipur with a focus on bringing back normalcy in the restive state and surrender of illegal and looted arms held by different groups. The meeting was held at the Ministry of Home Affairs in New Delhi. Senior officials, including Manipur Governor Ajay Kumar Bhalla, officials from the Manipur government, top army officers, and senior officials from paramilitary forces, were present at the meeting. This is the first security review meeting chaired by Amit Shah after the President's Rule was imposed in the state. The President's rule was imposed in Manipur on February 13 after N Biren Singh resigned as the chief minister. The state assembly, which has a tenure till 2027, has been put under suspended animation.

3-month deadline to make Punjab drug-free: 750 locations raided in statewide crackdown

Agency: A day after holding a high-level meeting with the government, the Punjab Police have launched a statewide operation against drugs, conducting raids at 750 locations as the cabinet sub-committee on the drug menace held its first meeting on Saturday. Punjab Chief Minister Bhagwant Mann on Friday set a deadline of three months to make the state drug-free. Around 12,000 police personnel were involved in the operation being carried out as part of an anti-drug campaign. As part of the state government's renewed push against the drug problem, action is being taken against drug peddlers and in some places, their properties were also demolished. Cabinet Minister Aman Arora on Saturday appealed to all political parties that instead of playing politics, they should extend their support to the state government's anti-drug campaign to save Punjab. The meeting of the cabinet sub-committee was also attended by Chief Secretary KAP Sinha and Director General of Police Gaurav Yadav. Addressing the media after the meeting, Finance Minister Harpal Singh Cheema, who is heading the cabinet sub-committee, said the first meeting of the "Yudh Nashia Virudh" campaign was held to ensure strict action against drug peddlers and drug smugglers. "The Aam Aadmi Party has launched a big attack against drugs. (CM Bhagwant) Mann has issued strict instructions. As per directions of AAP national convener Arvind Kejriwal's directions, we will take strict action. Soon, not even a single drug peddler will be found in Punjab," he claimed. Members of the cabinet sub-committee have been assigned different districts to monitor the police action against the drug menace, he said. Cheema said he will visit Pathankot, Gurdaspur, Nawanshahr, Hoshiarpur, Rupnagar and Tarn Taran districts while Arora will look after Ludhiana, Patiala, Kapurthala, Mohali, Amritsar and Jalandhar. Minister Taranpreet Singh Sond will visit Sangrur, Barnala, Bathinda, Fatehgarh Sahib, Moga and Malerkotla and Laljit Singh Bhullar will see Faridkot, Mukstar, Fazilka, Mansa and Ferozepur. Health Minister Balbir Singh will supervise the drug de-addiction and rehabilitation

programme in the state. Speaking to reporters, Arora lashed out at the previous governments for the drug menace. "A 360-degree action is visible on the ground," said Arora, referring to the ongoing police action against drug peddlers at many places in the state. "Those who are drug addicts, the health department will not treat them as criminals. They will be treated as patients and they will be treated in hospitals," Arora said. He said that it was not 100 per cent possible to stop "the rivers of drugs", started by the previous governments, without the support of the 3 crore people of Punjab. Arora said it was his promise to all political parties, religious bodies and social organisations that the Punjab government, Kejriwal and Mann will uproot the "cancer of drugs from the state". "I want to urge them that it is not an issue of a party or a government but it is about saving Punjab, the youth and future generations... I want to urge all political parties that they should give their support over this (anti-drug campaign) issue instead of playing politics so that we save our next generation" said Arora. The state government has formed a committee, led by Finance Minister Cheema, to oversee the actions of the police and health departments in tackling the drug problem.

2 people fire shots in air in Ambala court complex

Agency: Two unidentified persons opened fire in the air in the Ambala Court complex here on Saturday, causing panic in the area. According to Deputy Superintendent of Police (Ambala) Rajat Gulia, the accused came to the court to attack a person who had come to appear before a court in some case. Police suspected some old rivalry behind the incident. Police said the two miscreants came in an SUV. After opening the fire, they fled, said police. No one was hurt in the incident. Police recovered three empty cartridges from the spot. They are scanning CCTV footage of the adjoining areas, adding that efforts were on to nab them.

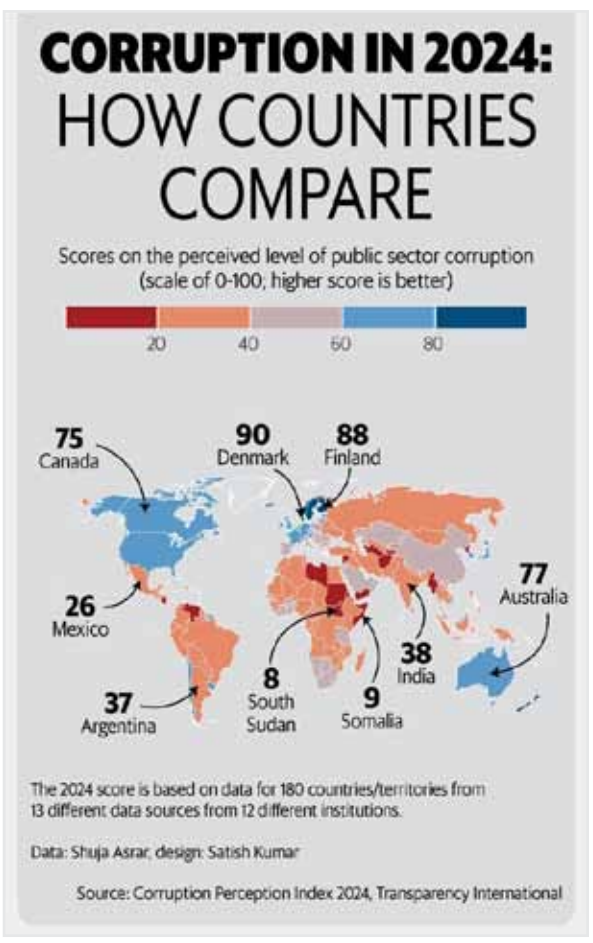

25 trapped as avalanche hits Uttarakhand

Agency: As many as 32 labourers were rescued late Friday night after 57 got trapped as a massive avalanche struck a Border Roads Organisation (BRO) camp near Mana, nearly 6 km north of Badrinath shrine in Uttarakhand, along the Line of Actual Control (LAC) with China. The snowslide, which buried the BRO camp between Mana and Badrinath, rolled down early on Friday morning. The avalanche was preceded by two mild snowslides. Multiple teams battled through tough terrain, heavy snow and icy temperatures through the day to reach the men. Visuals from Mana showed rescuers trudging through high piles of snow in a grim landscape bathed in white. They initially pulled out 10 workers and then the others, sources said. Four of those rescued are reported to be in a critical condition, the Army said. Uttarakhand CM Pushkar Singh Dhami, in a post on X on Friday evening, confirmed that 32 labourers had been rescued and that efforts were underway on a "war footing" to save the remaining 25. Brig Mandeep Singh, Commander of the Joshimath-based Ibex Brigade of the Army, reported that the road between Joshimath and Mana had been blocked due to the avalanche. "A 200-member Army team has been deployed for rescue operation. Despite harsh weather conditions and continuous snowfall, the rescue is underway. Efforts are also on to clear the road to extricate the injured and deploy additional rescue teams," he said.

Brigadier Singh added that Army doctors at the site had performed critical life-saving surgeries on the severely injured. Defence Minister Rajnath Singh spoke to Dhami and assured that local Army units were providing all possible assistance to those affected. Home Minister Amit Shah spoke to CM Dhami and assured that the government's priority was to safely evacuate those trapped. "Two teams of the NDRF are also reaching the spot soon," he said. Villagers in Mana said the site of the accident was considered vulnerable to avalanches in winter and the BRO camp was usually closed. "This time the camp was not closed due to lack of snowfall due to which they became victims of the avalanche," Mana village headman Pitambar Singh said. Disaster Management and Rehabilitation Secretary Vinod Kumar Suman said the situation was critical with the containers buried under six to seven feet of snow. The bad weather continued